आज का विचार

मूर्ख व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी से होती है, और एक बुद्धिमान व्यक्ति की पहचान उसके मौन से।

दैनिक

शुभ अस्तित्व

MPHIN/2018/77010

एक नए युग के अस्तित्व के साथ

वर्ष 08, अंक-144 | www.shubhastitv.com | भोपाल, रविवार 10 मई 2026 | मूल्यः 3.00 पृष्ठः08

मालवा उत्सव बना सांस्कृतिक एकता का मंच, मुख्यमंत्री ने दी 5 लाख की सहायता

संचिता सुषमा वाल्के इंदौर। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मालवा उत्सव केवल मेला नहीं, बल्कि मेल-मिलाप, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। इंदौर में लोक संस्कृति मंच द्वारा आयोजित मालवा उत्सव के रजत जयंती समारोह में मुख्यमंत्री ने आयोजन की सराहना करते हुए संस्था को 5 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से भारत की सांस्कृतिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरो रहे हैं। कार्यक्रम में भांगड़ा, गरबा, बधाई सहित विभिन्न लोक नृत्यों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने कहा कि मालवा उत्सव जैसे आयोजन छोटे कलाकारों, हस्तशिल्पियों, दुकानदारों और झूला संचालकों सहित अनेक लोगों के रोजगार और अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हैं।

मैंगो जत्रा में हापुस आमों की खुशबू, किसानों को मिलेगा प्रोत्साहन

इसी दौरान मुख्यमंत्री स्न्नद्धड्डठ्ठ ड्डङ्डस्त्रड्ड1 इंदौर के ग्रामीण हाट बाजार परिसर में आयोजित तीन दिवसीय ÷मैंगो जत्रा÷ में भी शामिल हुए।

यहां महाराष्ट्र के देवगढ़ और रत्नागिरी के प्रसिद्ध हापुस (अल्फांसो) आमों की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर किसानों से संवाद किया और 24 आम उत्पादक किसानों को 11-11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं, जिससे किसानों को उचित मूल्य और ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद मिलते हैं।

मैंगो जत्रा में आम से बने आइसक्रीम, शेक, मिठाइयां, अचार, आमरस और अन्य खाद्य उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

उन्नत अग्नि मिसाइल परीक्षण पर वैज्ञानिकों को बधाई

मुख्यमंत्री ने उन्नत अग्नि मिसाइल के सफल परीक्षण पर डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत का रक्षा कवच लगातार मजबूत हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडिशा स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया यह सफल परीक्षण आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करता है।

सुमन हेल्प डेस्क से मजबूत हो रही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं

मध्यप्रदेश में सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए ÷सुमन हेल्प डेस्क÷ व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है।

प्रदेश की सभी 66 जिला स्तरीय हेल्प डेस्क अब 24м7 संचालित होंगी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक आधारित और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

104 टोल फ्री सेवा के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं से संबंधित स्वास्थ्य परामर्श, शिकायत निवारण और स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

गुना जिले को 1189 करोड़ रुपये की विकास सौगात

मुख्यमंत्री रविवार को गुना जिले को बड़ी विकास सौगात देंगे।

वे 1059 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री का शिलान्यास करेंगे। साथ ही लगभग 130 करोड़ रुपये लागत के 144 विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण भी करेंगे।

इस परियोजना से लगभग 500 लोगों को प्रत्यक्ष और 1000 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और मंत्री Govind Singh Rajput भी उपस्थित रहेंगे।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-IV का राज्य स्तरीय शुभारंभ आज

मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री सीहोर जिले के भैरूंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-IV और पीएम जनमन योजना का राज्य स्तरीय शुभारंभ करेंगे।

योजना के तहत प्रदेश में 1763 करोड़ रुपये की लागत से 2117 किलोमीटर लंबी 963 सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जिससे 987 बसाहटों को लाभ मिलेगा।

सीहोर जिले में 165 करोड़ रुपये की लागत से 81 नई सड़कें बनाई जाएंगी, जिससे 84 गांवों को सीधा लाभ मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार...............

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि नए CDS होंगे

नई दिल्ली। रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि देश के अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ होंगे। केंद्र ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सुब्रमणि रक्षा मामलों के विभाग के सचिव की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है। दोनों 31 मई को कार्यभार संभालेंगे। मौजूदा ष्ठष्ठस् अनिल चौहान का कार्यकाल 30 मई को खत्म हो रहा है। एनएस राजा सुब्रमणि देश के तीसरे CDS होंगे। एनएस राजा सुब्रमणि करीब 39 साल की सर्विस के बाद 31 जुलाई 2025 को वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद से रिटायर हुए थे। यह फोटो तभी की है। एनएस राजा सुब्रमणि करीब 39 साल की सर्विस के बाद 31 जुलाई 2025 को वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद से रिटायर हुए थे।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि

बिहार में बिजली-पेड़ गिरने से 9 लोगों की मौत

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना। बिहार में पटना समेत 7 जिलों में शुक्रवार को तेज आंधी के साथ बारिश हुई। पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौतें राजधानी पटना में हुईं। आंधी में 600 से ज्यादा पेड़ भी गिर गए। उत्तर प्रदेश के आगरा और जालौन में बारिश हुई, मऊ में ओले गिरे। शनिवार को 17 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के 13 जिलों में शनिवार को आंधी-बारिश का अलर्ट है। राजस्थान का बाड़मेर देश में सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 44.6एष्ट दर्ज किया गया। वहीं जैसलमेर और फलोदी में तापमान 44एष्ट रहा।

पटना, बिहार

देश में 70 साल में 20 लाख अपहरण, इनमें 11 लाख एक दशक में ही

नई दिल्ली। भारत में अपहरण और जबरन उठा ले जाने की घटनाएं पिछले एक दशक में अप्रत्याशित रूप से बड़ी हैं। हाल ही में भोपाल में एक आईएएस एकेडमी की निदेशक के अपहरण और 1.89 करोड़ रुपए की फिरौती के मामले ने देश में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 1953 से 2024 के बीच देश में कुल 20 लाख से अधिक ऐसे मामले दर्ज किए गए। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इन सात दशकों के कुल मामलों का 54त्न हिस्सा (11.24 लाख केस) केवल पिछले 11 वर्षों (2013-2024) में दर्ज हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, कुल अपराधों में अपहरण की हिस्सेदारी 1953-62 में 1.01त्न थी, जो 2013-24 के दौरान बड़कर 3.04त्न तक पहुंच गई है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में हारे अमेरिका से लौटे अनंतन

चेन्नई। तमिलनाडु विधासभा चुनाव में वासुदेवनल्लूर सीट पर भाजपा उम्मीदवार अनंतन अय्यासामी को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें डीएमके के ई.राजा से करीब 6500 वोटों से हराया है। यह सीट एससी कैंडिडेट के लिए रिजर्व थी। अनंतन राजनीति में आने से पहले अमेरिका में काम करते थे। उन्होंने राजनीति में आने के लिए अपना सफल टेक्नोलॉजी करियर और रियल एस्टेट बिजनेस भी छोड़ दिया था। उनका कहना है कि जनसेवा का सपना 4 साल पहले उन्हें वापस भारत ले आया था। अय्यासामी ने चुनाव हारने पर कहा- चुनाव के एक हफ्ते के पैसों ने चार साल की सच्ची सेवा को हरा दिया। उन्होंने दावा किया कि पिछले चार सालों में गांवों में विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपए और अपना पूरा समय लगाया।

अमेरिका-ईरान अगले हफ्ते फिर इस्लामाबाद में बातचीत कर सकते हैं

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर अगले हफ्ते पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फिर बातचीत शुरू हो सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश मध्यस्थों के जरिए एक समझौता ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं, जिससे एक महीने तक चलने वाली औपचारिक वार्ता का रास्ता खुल सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित 14 बिंदुओं वाले ड्राफ्ट में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट में तनाव कम करने और ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम भंडार को किसी दूसरे देश भेजने जैसे मुद्दे शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें ईरान की तरफ से जल्द जवाब मिलने की उम्मीद है।

एक्टर विजय को VCK-IUML का समर्थन मिला

बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायक से 3 ज्यादा हुए; राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा करेंगे

चेन्नई। तमिलनाडु में एक्टर विजय के सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया है। चुनाव में दो सीटें जीतने वाली VCK और IUML ने विजय की TVK पार्टी को अपना समर्थन पत्र सौंप दिया है। इसी के साथ TVK के पास सरकार बनाने के लिए जरूरी 118 विधायकों की संख्या पूरी हो गई है।

पार्टी	सीटें
TVK	108
कांग्रेस	5
CPI	2
CPI (M)	2
VCK	2
IUML	2
कुल	121

इधर, कांग्रेस ने हॉर्स ट्रेडिंग के डर से अपने पांच विधायकों को हैदराबाद भेज दिया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक मेलूर विधायक पी. विश्वनाथन विधायकों के ग्रुप का नेतृत्व कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक TVK सरकार बनने पर पी. विश्वनाथन को मंत्री बनाया जा सकता है।

TVK ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटें जीती हैं। इनमें विजय ने दो सीटें जीती हैं। पार्टी को कांग्रेस के 5, CPI और CPI(M) के 2-2 विधायकों से समर्थन पत्र पहले ही मिल चुका था। VCK और IUML के समर्थन के बाद विजय के पास 121 विधायक हो जाएंगे। यह बहुमत के आंकड़े से दो ज्यादा है।

TVK को VCK से समर्थन की अटकलें 3 दिन से थीं

TVK को VCK का समर्थन मिलने की अटकलें पिछले 3 दिन से चल रही थीं। VCK चीफ थिरुमावलवन ने शुक्रवार सुबह सार्वजनिक रूप से कहा था कि उनकी पार्टी TVK को समर्थन देगी।

AAP मंत्री को लेकर ED चंडीगढ़ से दिल्ली रवाना

चंडीगढ़। केंद्रीय जांच एजेंसी ED ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार सुबह हुई रेड के वक्त वह चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित अपनी सरकारी कोठी पर ही थे। इसके बाद करीब 10 घंटे की पूछताछ की गई। जिसके बाद शाम करीब 5 बजे श्वष्ठ की टीम चंडीगढ़ और हरियाणा नंबर की गाड़ियों में उन्हें दिल्ली ले गई। आगे की पूछताछ उनसे दिल्ली में ही होगी। उनकी रात ED के लॉकअप में बीतेगी।

ED ने शनिवार सुबह ही मंत्री अरोड़ा पर रेड चंडीगढ़ में उनके सरकारी घर, दिल्ली और गुरुग्राम के 5 ठिकानों में हुई है। ED ने खुलासा किया कि अरोड़ा ने अपनी फर्मों के जरिए मोबाइल खरीद की करीब 157.12 करोड़ रुपए की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के माध्यम से फर्जी एक्सपोर्ट किए। इसके अलावा दुबई से भारत में अवैध रकम की राउंड-ट्रिपिंग के लिए इन सामानों के एक्सपोर्ट का इस्तेमाल किया। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) और एक्सपोर्ट पर GST रिफंड तथा ड्यूटी ड्रॉबैक लेने के लिए दिल्ली की गैर-मौजूद फर्मों से कई फर्जी त्रस्क्ब खरीद बिल हासिल किए गए।

रेसलर विनेश 26 जून तक घरेलू मुकाबले नहीं खेल पाएंगी

जींद। भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) ने ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट पर 26 जून तक डोमेस्टिक कॉम्पिटिशन खेलने पर बैन लगा दिया है। WFI ने शनिवार को फोगाट को अनुशासनहीनता और एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया। WFI ने शनिवार को जारी 15 पन्नों के नोटिस में लिखा कि विनेश ने संन्यास से वापसी के लिए छह महीने पहले सूचना नहीं दी। इससे WFI संविधान, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) नियमों तथा एंटी-डोपिंग प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। WFI ने कहा- उनके व्यवहार से भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा और राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी हुई। साथ ही विनेश से चार प्रमुख आरोपों पर जवाब मांगा और पूछा कि कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। अगस्त 2024 में हुए पेरिस ओलिंपिक में ओवर वेट पाए जाने पर विनेश फोगाट को डिसक्वालीफाई किया गया था। तब उन्होंने कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान किया था। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना फैसला वापस ले लिया।

मोदी ने 98 साल के कार्यकर्ता के पैर छुए

योगी ने सुवेंदु को गमछा ओढ़ाया, PM का मंच से जनता को प्रणाम; बंगाल में शपथ के 6 मोमेंट्स

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में BJP की पहली सरकार बन गई। सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को ष्टरू पद की शपथ ली। शपथ से पहले क्करू नरेंद्र मोदी और सुवेंदु ने रोड शो किया। समारोह में मोदी ने पार्टी के कार्यकर्ता के पैर छुए। वहीं, योगी आदित्यनाथ ने सुवेंदु को गेरुआ गमछा ओढ़ाया।

1. पीएम मोदी मंच तक रोड शो करते हुए हुए पहुंचे

पीएम मोदी ने परेड ग्राउंड में रोड शो किया। वे ग्राउंड की एंट्री से मंच तक एक खास रूप से बनाए गए रथ में गए। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक और सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। उस वक्त ग्राउंड पर करीब 1 लाख लोग मौजूद थे।

2. PM ने बुजुर्ग भाजपा कार्यकर्ता के पैर छुए

शपथ ग्रहण से पहले मंच पर PM मोदी ने पश्चिम बंगाल BJP के सबसे बुजुर्ग कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार के पैर छुए। 98 साल के माखनलाल सरकार 1952 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ कश्मीर में तिरंगा फहराने गए थे, जहां आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

3. सुवेंदु ने शपथ लेने के बाद मोदी को झुककर प्रणाम किया

सुवेंदु अधिकारी ने बांग्ला में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। शपथ के बाद वे क्करूमोदी के पास गए और झुककर प्रणाम किया। पीएम मोदी ने उनकी पीठ थपथपाकर शुभकामनाएं दीं।

4. योगी आदित्यनाथ ने सुवेंदु को भगवा गमछा ओढ़ाया

सुवेंदु अधिकारी ने शपथ लेने के बाद मंच पर मौजूद सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों का अभिवादन किया। इस दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें गेरुआ गमछा ओढ़ाया।

5. प्रधानमंत्री ने मंच पर जनता को प्रणाम किया

शपथ समारोह के आखिर में क्करूमोदी ने मंच से परेड ग्राउंड में मौजूद लोगों को धन्यवाद किया। इस दौरान वे घुटनों के बल बैठे और जनता को प्रणाम किया।

6. PM भाजपा कार्यकर्ताओं के परिवारों से मिले

पीएम मोदी ने बंगाल चुनावी हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं देबाशीष मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पाल के परिवारों से मुलाकात की। बंगाली पोशाक में PM, BJP ऑफिस में मछली भोज-हिमंता जश्न में झूमे, विजय की गाड़ी समर्थकों ने घेरी; पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आ चुके हैं।

दावा | **पूर्व सीएम की जगह 15वीं, 16वीं,17वीं विधानसभा का सीएम और तृणमूल कांग्रेस का फाउंडर लिखा**

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्रोफाइल बदला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बदलते ही पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्रोफाइल बदल दिया। उन्होंने बायो में लिखा, फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और 15वीं,16वीं,17वीं विधानसभा की मुख्यमंत्री।

इससे पहले उनके बायो में फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर,वेस्ट बंगाल लिखा था। बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार कर दिया। ममता ने इस्तीफा नहीं दिया। 7 मई को पश्चिम बंगाल की 17वीं विधानसभा का

कार्यकाल खत्म हो गया है। इसके बाद राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी थी

टीएमसी 15 साल सत्ता में रही

2021 में 17वीं विधानसभा का चुनाव जीतकर ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं थीं। वे 2011 से लगातार सत्ता में रहीं। हालांकि, अप्रैल 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है। ममता बनर्जी को भी भवानीपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा।

2026 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने कुल 293 विधानसभा सीटों में से 207 सीटें जीतीं। जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट गई। बंगाल में भाजपा ने 293 में से 206 सीटें जीतकर करीब 70त्न का स्ट्राइक रेट हासिल किया। वहीं, TMC 81 सीटों पर सिमट गई और उसका स्ट्राइक रेट करीब 27.6त्न रहा।

ममता समेत 22 मंत्री हारे

चुनाव में सीएम ममता समेत 35 मंत्रियों में से 22 चुनाव हार गए। ममता के पास होम मिनिस्ट्री समेत 7 महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी थी। महिला और बाल कल्याण मंत्री शशि पांजा, उदयन गुहा, ब्रत्य बसु, चंद्रिमा भट्टाचार्य, सुजीत बसु, सिद्दीकुल्लाह चौधरी, रथिन घोष, बेचाराम मन्ना, बिरबाहा हंसदा, मोलय घटक को हार का सामना करना पड़ा है।

DRDO ने ओडिशा में MIRV तकनीक से लैस अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (DRDO) ने शुक्रवार को ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल परीक्षण सेंटर से अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया। ष्ठक्रष्ठह्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस मिसाइल में मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल (MIRV) सिस्टम लगाया गया है, जिससे एक साथ कई टारगेट को निशाना बनाया जा सकता है। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने अलग-अलग जगहों पर मौजूद कई टारगेट्स को सफलतापूर्वक हिट किया।

कोलकाता में भावुक पल: पीएम मोदी ने वरिष्ठ भाजपा नेता माखनलाल सरकार के छुए पैर

संचिता सुषमा वाल्के कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक भावुक दृश्य देखने को मिला। प्रधानमंत्री Narendra Modi ने मंच पर पहुंचते ही 98 वर्षीय वरिष्ठ भाजपा नेता Makhanlal Sarkar के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने उन्हें गले लगाया और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

समारोह में मौजूद लोगों ने इस दृश्य का तालियों के साथ स्वागत किया और माहौल भावुक हो गया।

माखनलाल सरकार पश्चिम बंगाल में भाजपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे हैं। उन्होंने वर्ष 1952 में Syama Prasad Mukherjee के साथ

गिरफ्तारी दी थी और जम्मू-कश्मीर के लाल चौक पर उनके साथ तिरंगा फहराया था। भाजपा के शुरुआती दौर में उन्होंने पश्चिमी दीनाजपुर और दार्जिलिंग क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए इस सम्मान को पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के योगदान के प्रति सम्मान के रूप में देखा जा रहा है।

ग्वालियर दक्षिण के विकास कार्यों की मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने की समीक्षा

ग्वालियर। संचिता सुषमा वाल्के मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ने शु वार को ग्वालियर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में सड़क निर्माण, सीवर व्यवस्था, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, विद्युत विभाग, एलिवेटेड रोड, स्मार्ट सिटी परियोजना, कृषि उपज मंडी, योजना मंडल, शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग तथा जल संसाधन विभाग सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने कहा कि ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। बैठक में कलेक्टर रुचिका चौहान नगर निगम आयुक्त Sangh Priya सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को दी शुभकामनाएं

संचिता सुषमा वाल्के कोलकाता। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री से कोलकाता में आत्मीय मुलाकात कर उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

डिप्टी सीएम शुक्ला ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मिला ऐतिहासिक जनादेश विकास, सुशासन, सुरक्षा और राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विकास, निवेश, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि नई सरकार राज्य में तेज विकास कार्यों और बेहतर प्रशासन के जरिए जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

बरगी डैम क्रूज हादसा 'प्रशासनिक हत्या', पीड़ति परिवारों को मिले 1 करोड़ मुआवजा : विवेक त्रिपाठी

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल/जबलपुर। कांग्रेस प्रवक्ता Vivek Tripathi ने बरगी डैम क्रूज हादसे को लेकर मध्यप्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस हादसे को दुर्घटना नहीं, बल्कि ÷भ्रष्ट प्रशासनिक तंत्र द्वारा की गई प्रशासनिक हत्या÷ बताया है।

विवेक त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मांग की है कि हादसे में मृत लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (हत्रज्ञ) द्वारा 12 सितंबर 2023 को क्रूज संचालन पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद जल संसाधन विभाग, पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन की मिलीभगत से अवैध रूप से क्रूज का संचालन जारी रहा।कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यदि हत्रज्ञ का स्पष्ट आदेश मौजूद था, तो आखिर किसके संरक्षण में यह क्रूज संचालित हो रहा था। उन्होंने इसे सत्ता संरक्षित भ्रष्टाचार का मामला बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

विवेक त्रिपाठी ने यह भी आरोप लगाया कि जांच शुरू होने के दौरान

ही क्रूज को डिस्मेंटल कर दिया गया, जो साक्ष्य मिटाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि जांच से पहले क्रूज को तोड़ना जांच एजेंसियों और न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करने जैसा है।

कांग्रेस ने मांग की है कि मामले की रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में स्वतंत्र न्यायिक जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों, विभागीय जिम्मेदार लोगों तथा क्रूज संचालकों पर गैरइरादतन हत्या सहित कठोर धाराओं में स्त्रढ्ढक्रदर्ज की जाए।

पार्टी ने यह भी मांग उठाई कि जांच से पहले क्रूज डिस्मेंटल कराने वाले अधिकारियों पर साक्ष्य मिटाने का प्रकरण दर्ज हो तथा मुआवजे की राशि दोषी अधिकारियों से वसूली जाए।

विवेक त्रिपाठी ने कहा कि यदि मामले में निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो यह संदेश जाएगा कि प्रदेश में कानून और न्यायालय के आदेशों से ऊपर भ्रष्ट प्रशासनिक तंत्र काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मृतकों को न्याय दिलाने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

किसानों की आवाज उठाने पर FIR करना डर का संकेत : उमंग सिंघार

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष Umang Singhar ने किसानों के मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है।

उमंग सिंघार ने कहा कि प्रदेश में किसानों के हक की आवाज उठने से सरकार घबरा गई है और समाधान निकालने की बजाय स्त्रढ्ढक्रदर्ज करने का रास्ता अपना रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि खलघाट सहित प्रदेशभर में किसानों की मांगों को लेकर आंदोलन करने पर उनके नाम समेत कांग्रेस के कई विधायकों और सैकड़ों कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाते हुए

कहा कि क्या किसानों के लिए स्न्स्क्क की मांग करना अपराध है? क्या फसल बीमा, खाद-बीज और बिजली की समस्याओं को उठाना गुनाह है? उन्होंने मुख्यमंत्री Mohan Yadav पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस किसानों की लड़ाई हर स्तर पर लड़ती रहेगी।

उमंग सिंघार ने कहा, ÷कांग्रेस किसानों के लिए लाठी भी खाएगी और जरूरत पड़ी तो जेल जाने से भी पीछे नहीं हटेगी। मैं 100 बार जेल जाने को तैयार हूं।÷ उन्होंने कहा कि सरकार की स्त्रढ्ढक्र में उसका डर साफ दिखाई दे रहा है, लेकिन किसानों की आवाज दबाई नहीं जा सकती।

अंत में उन्होंने कहा कि अन्नदाता के अधिकारों की लड़ाई अब और मजबूती से लड़ी जाएगी।

÷जय किसान ङ्क जय किसान।÷

गर्मी में पक्षियों के संरक्षण के लिए रेलवे अस्पताल की पहल

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल। भीषण गर्मी को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के मंडल रेल चिकित्सालय भोपाल द्वारा पक्षियों के संरक्षण के लिए विशेष पहल की गई। मंडल रेल चिकित्सालय परिसर के पार्क क्षेत्र में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक Ajay Dogra के नेतृत्व में मेडिकल टीम और स्टाफ ने पक्षियों के पानी पीने के लिए सकोरे लगाए। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने घरों तथा कार्यस्थलों पर भी पक्षियों के लिए सकोरे रखने और नियमित रूप से उनमें पानी भरने का संदेश दिया गया। सीनियर डीसीएम ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों को पानी उपलब्ध कराना सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे छोटे-छोटे प्रयास पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं। रेलवे प्रशासन की इस पहल को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

बैतूल में विकास कार्यों की समीक्षा, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

संचिता सुषमा वाल्के बैतूल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक Hemant Khandelwal ने शनिवार को बैतूल कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में हिस्सा लिया।

बैठक में जिले में चल रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में तेजी लाई जाए और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

बैठक में केंद्रीय मंत्री Durgadas Uikey, प्रदेश सरकार के मंत्री Narendra Shivaji Patel, विधायक Mahendra Singh Chauhan, Chandrashekhar Deshmukh, Gangabai Uikey, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक Yogesh Pandagre, जिला पंचायत अध्यक्ष Raja Pawar तथा भाजपा जिला अध्यक्ष Sudhakar Pawar सहित समिति के सदस्य उपस्थित

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव विश्लेषण

धन्यवाद, पश्चिम बंगाल, धन्यवाद

सीए अखिलेश जैन धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद ..... न केवल धन्यवाद, बारम्बार धन्यवाद, हार्दिक बधाइयाँ आपके दूरदृष्टिपूर्ण, साहसिक सुविचारित व स्पष्ट जनादेश के लिए, एक बार फिर से बधाई व धन्यवाद, वास्तव में पश्चिम बंगाल की माताओं, बहनों, बेटियों, मतदाताओं, कार्यकर्ताओं, चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने में जी-जान से जुटे शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों, न्याय का झण्डा बुलन्द कर लोकतंत्र को जड़ों को मजबूती प्रदान करने वाले ज्ञात/अज्ञात सभी महानुभावों, विशिष्ट जनों, दैवीय शक्तियों के साथ-साथ भारत के संविधान निर्माताओं को जिन्होंने सत्ता को असली चाबी मतदाताओं को सौंपी है। विवेकपूर्ण, साहासिक व दूरदृष्टिपूर्ण निर्णय कि जितनी भी प्रशंसा की जावे वो छोटी ही प्रतीत होती है। जब सत्ता की असली बागड़ोर संविधान निर्माताओं ने मतदाताओं को सौंपी है, तो जिस प्रकार हर अंधेरी रात की समय-सीमा समाप्ति के साथ-साथ सूर्योदय निश्चित है उसी प्रकार निरंकुश, अत्याचारी, भ्रष्टाचारी, दुराचारी, सनातन विरोधी, माताओं-बहनों -बेटियों, जो साक्षात् देवी रूप हैं, को सुरक्षा प्रदान करने में अक्षम, लोकतंत्र का उपहास उड़ाने वाली, देश की आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक प्रगति में बाधक सत्ता का अन्त होना भी सुनिश्चित ही था।

चुनाव प्रारम्भ होने की बेला से चुनाव आयोग की चुनाव सम्पन्न होने की अधिसूचना जारी होने तक का मतदाताओं, कार्यकर्ताओं का समीप से अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हुआ, मतदाताओं, कार्यकर्ताओं की मानसिक स्थिति को पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ। मतदाताओं, कार्यकर्ताओं से संवाद में चुनाव परिणामों की तस्वीर स्पष्ट परिलक्षित हो रही थी, ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे मतदान की तिथि तक का समय एक कल्प की तरह लम्बा लग रहा है। इतनी बेसब्री मतदान के लिए, 90त्न से अधिक का मतदान, ऐसा प्रतीत हो रहा है, जैसे मतदाताओं में मतदान की होड़ लग गई हो, देश-विदेश में बैठे पश्चिम बंगाल के मतदाता लाईन लगाकर, बेखौफ, मतदान के लिए जोश, जुनुन के साथ लाईन में लग गये, 40 डिग्री सेंटीग्रेट का तापमान पर महिलाओं ने शत-प्रतिशत मतदान का निर्णय कर लिया। चाहे शहर हो, देहात हो, छोटा सा गांव, कस्बा, सूदूर जंगल में छोटी सी बस्ती हो, हर जगह शत-प्रतिशत मतदान की होड़ लगी थी, अगर

आप इस मतदान के जोश की भावनाओं को समझ सकें तो चुनाव परिणाम मतदान की लाईन देखने मात्र से ही स्पष्ट था। मतदाताओं में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रति विद्रोह, आक्रोश की ज्वाला धधक रही थी, जो उन्होंने मतदान शत-प्रतिशत करने को ठान कर अपने अन्तर्मन की ज्वाला को शान्त करने का मार्ग बनाया। ऐसा क्यों?

सत्तारूढ़ दल के प्रति इतना आक्रोश क्यो? : 2-3 विधायकों वाली पार्टी 77 विधायकों तक पहुंचती है, फिर सीधे 207 विधायकों पर पहुँचती है। ऐसी स्वीकार्यता में बढ़ोत्तरी क्यो?

राजनैतिक विश्लेशकों का उत्तर भी बहुत स्पष्ट है व बहुत आसान है -कि स्ढ्ढक्रके कारण 90 लाख से अधिक घुसपैठिये मतदान प्रक्रिया से बाहर हो गये, सनातन का विरोध कर ध्रुवीकरण करने के प्रयासों से आम मतदाता चिढ़ गया था, आतंक, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, गुण्डागर्दी, महिलाओं के प्रति अपराधों का बड़ता ग्राफ, बेरोजगारी, तुष्टीकरण व भविष्य अंधकारमय देख रहा था आम मतदाता। केंद्रीय बलों की उपस्थिति के कारण आम मतदाता वोट डालने का साहस कर पाया, इत्यादि, इत्यादि ...... पर एक और अति महत्वपूर्ण तर्क भी मतदाताओं को शांत नहीं बैठने दे रहा था, वो था, ममता सरकार में पश्चिम बंगाल मोदी सरकार के विकसित भारतश्च 2047 व 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दौड़ में शामिल नहीं हो रहा था, और अगर सरकार न बदली होती तो पश्चिम बंगाल भविष्य में भारत के नक्शे पर गरीब, बीमारू व उन्नति के पैमाने पर मार्ग के किनारे पर दुखी, लाचार सा खड़ा मिलता, बच्चों का भविष्य क्या होता, बच्चों को रोजी-रोटी की तलाश में देशभर में भटकना पड़ता और बेरोजगारी दर बढ़ते ही अपराध चरम पर पहुँच जाता अर्थात राज्य का आर्थिक ढांचा चरमराते ही भविष्य अंधकारमय हो जावेगा। भारी निराशा हावी थी, एफडीआई पश्चिम बंगाल का रास्ता भूल चुका था। इंवेस्टमेंट ने पश्चिम बंगाल से अपना नाता तोड़ लिया था।

(लेखक भाजपा मप्र के कोषाध्यक्ष हैं)

सुवेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री बनने पर डॉ. वाणी आहलुवालिया ने दी बधाई

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल/कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री Suvendu Adhikari को मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. वाणी आहलुवालिया ने कहा कि प्रधानमंत्री Narendra Modi के नेतृत्व में बंगाल की जनता ने विकास, राष्ट्रवाद और सुशासन पर विश्वास जताया है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में यह जनादेश नए परिवर्तन और विकास के युग की शुरुआत है। आने वाले समय में राज्य विकास, निवेश और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा।

डॉ. आहलुवालिया ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल तेज विकास और बेहतर प्रशासन की दिशा में आगे बढ़ेगा।

महिलाओं के सम्मान और राजनीतिक भागीदारी का अभियान : जीतू पटवारी

संचिता सुषमा वाल्के भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा है कि महिलाओं को नेतृत्व की मुख्यधारा में स्थापित करना कांग्रेस पार्टी का सामाजिक और राजनीतिक संकल्प है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन में महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत आयोजित फ्हाशिए से नेतृत्व तक ङ्क महिला नेतृत्व एवं राजनीतिक भागीदारी अभियानफ्र कार्यक्रम में जीतू पटवारी ने अल्पसंख्यक समाज की महिलाओं से संवाद किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल संगठनात्मक अभियान नहीं, बल्कि महिलाओं को सम्मान, अवसर और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी दिलाने की पहल है। कांग्रेस पार्टी समाज के हर वर्ग की महिलाओं को नेतृत्व के मंच पर आगे लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि फ्हाशिए से नेतृत्व तकफ्र अभियान के माध्यम से महिलाओं को राजनीति, सामाजिक नेतृत्व और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रदेश स्तर पर तैयार महिला नेतृत्व समूह गांव-गांव और शहर-शहर जाकर महिलाओं को कांग्रेस की विचारधारा, संवैधानिक मूल्यों और जनसरोकारों से जोड़ेगा।

जीतू पटवारी ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब महिलाओं की आवाज नीति और निर्णय प्रक्रिया तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि अल्पसंख्यक समाज की महिलाएं केवल सहभागी न रहें, बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका निभाते हुए समाज और प्रदेश के भविष्य निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि फ्मेरी भागीदारी, मेरा नेतृत्वफ्र केवल नारा

नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, अधिकार और राजनीतिक सशक्तिकरण का अभियान है।

कार्यक्रम में बौद्ध, सिख, ईसाई, जैन और मुस्लिम समुदाय की महिलाओं ने भाग लेकर महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व निर्माण और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में संगठन महामंत्री Sanjay Kamle, प्रशिक्षण विभाग के प्रभारी Mahendra Joshi तथा मतदाता सूची सह-प्रभारी Arifa Khan सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित

किसानों के हक-अधिकारों के लिए सड़क पर उतरी कांग्रेस, पूर्व मंत्री के नेतृत्व में गुना हाइवे पर चक्काजाम किया

गुना। किसानों को न्याय और उनके अधिकार दिलाने के लिए कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत गुरुवार को गुना में नेशनल हाईवे-46 स्थित बिलोनिया के पास वाहनों के पहिए पूरी तरह थम गए पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष जयवर्धन सिंह विधायक राघोगढ़ के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं और किसानों ने तीख धूप के बीच आग उगलती हाइवे की सड़क पर बैठकर चक्काजाम किया केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार हुंकार भरी। कांग्रेस ने समर्थन मूल्य खरीदी में किसानों के सामने आ रहीं चुनौतियों का जिक्र करते हुए भाजपा सरकार को गूंगा-बहरा करार दिया। आंदोलन का खास आकर्षण विधायक जयवर्धन सिंह का अंदाज रहा, वह गुना के गायत्री मंदिर से बिलोनिया तक स्वयं ट्रैक्टर चलाकर पहुंचे। उनके साथ बमौरी विधायक इंजी. ऋषि अग्रवाल सहित गुना और अशोकनगर जिले के दिग्गज नेताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। करीब 2 घंटे तक हुए चक्काजाम के दौरान हाइवे पर दोनों लगभग 10 किलोमीटर तक वाहनों की कतारें देखने को मिलीं। जयवर्धन सिंह अपने साथ उन किसानों के पंजीयन और स्लॉट बुकिंग के दस्तावेज भी लेकर आए थे, जिनकी तारीख मिलने के बावजूद भी सरकारी केंद्रों पर उपज नहीं खरीदी गई। प्रदर्शन में शामिल हुए आक्रोशित किसानों ने अपनी गेहूं की उपज हाईवे पर ही रख दी। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव से पहले 2700 प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने का वादा किया था, लेकिन हकीकत में किसानों को 2 हजार से 2100 में फसल बेचनी पड़ी। यह सरकार की नाकामी है। इतना ही नहीं ग्वालियर-चंबल संभाग में खरीदी सबसे देरी से शुरू की गई, जिससे छोटे किसान औने-पौने दाम पर अनाज बेचने को मजबूर हो गए। जयवर्धन ने बताया कि 15 मार्च से पंजीयन और स्लॉट बुकिंग होने के बाद भी कई दिनों तक खरीदी केंद्र बंद रहे या प्रक्रिया में देरी हुई। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ महीने में भाजपा सरकार का रवैया किसानों के प्रति पूरी तरह निराशाजनक रहा है। यह सरकार केवल गौतम अदाणी के हितों के लिए काम कर रही है। आज देश का किसान घुट-घुटकर सांस लेने को मजबूर है।

आंदोलन के दौरान यूरिया और डीएपी वितरण की नई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए गए। कांग्रेस का आरोप है कि खाद की ऑनलाइन प्रक्रिया इतनी जटिल कर दी गई है कि किसान दुकानों के चक्कर काट रहा है। साथ ही दो बीघा खेती पर मात्र एक बोरी यूरिया और एक हेक्टेयर पर एक बोरी डीएपी देने का नियम किसानों के घाव पर नमक छिड़कने जैसा है।

चक्काजाम के समापन पर किसानों की 14 सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन मौके पर पहुंचे अपर कलेक्टर अखिलेश जैन को सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसानों को फसल का सही दाम और खाद-बीज की सुगम व्यवस्था नहीं मिली, तो यह आंदोलन आने वाले समय में और भी उग्र रूप धारण करेगा। वहीं जयवर्धन सिंह ने चक्काजाम के दौरान वाहन चालकों और अन्य लोगों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि किसानों की फसल समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदी जा रही है, यह मुद्दा इतना बड़ा था कि हम सभी को थोड़ी परेशानी उठानी पड़ी। इसके लिए वे खेद प्रकट करते हैं।

आंदोलन की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कांग्रेस ने सुबह 10.30 बजे का समय किसानों को दिया था, लेकिन बमौरी और गुना के अधिकांश गांवों से सुबह 9 बजे ही किसान बिलोनिया पहुंचना शुरु हो गए थे। वहीं कुछ किसान तो नानाखेड़ी मंडी में उपज बेचने के दौरान अपना नंबर छोड़कर बिलोनिया आ गए और कांग्रेस की अगुवाई में अपना आक्रोश जताया। जयवर्धन ने किसानों को भरोसा दिलाया कि वे सरकार से उनका हक अधिकार और न्याय दिलाकर ही दम लेंगे।

आंदोलन का दिलचस्प घटनाक्रम यह भी रहा कि क्षेत्रीय सांसद और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नेशनल हाइवे पर चक्काजाम की वजह से किसानों की सेहत को लेकर चिंता जताते हुए प्याज की माला भेजी। सिंधिया द्वारा भेजी गई माला कांग्रेस की महिला जिला अध्यक्ष सीमा यादव ने पहन ली और कहा कि केंद्रीय मंत्री इसी तरह किसानों की चिंता करें तो अच्छा होगा। इसपर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने तंज कसा और सिंधिया पर आरोप लगाया कि वे केवल प्याज तक ही सीमित हैं, उन्होंने कभी किसानों की चिंता नहीं, उनकी बात नहीं उठाई। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी किसानों के लिए चिंतित होने की वजह कह चुके हैं, इसपर भी जयवर्धन सिंह ने दिखावे का आरोप लगाया।

विंध्याचल बुद्धविहार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

विंध्याचल। विंध्याचल बुद्धविहार में आज पूज्य माता स्वर्गीय चमेली बाई की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय लोगों ने उपस्थित होकर उन्हें पुष्प अर्पित किए तथा भावभीनी श्रद्धांजलि दी।इसके बाद सभी समाज प्रेमिओ को प्रसाद वितरण किया गया

इस अवसर पर समाजसेवी डी. के. मौर्या जी ने स्वर्गीय चमेली बाई के सरल स्वभाव, सामाजिक योगदान एवं मानवीय मूल्यों को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम में उपस्थित भीषम कुशवाहा निरविकरानन्द कुशवाहा नित्यानंद कुशवाहा पूर्व सरपंच राजेश कुशवाहा सीमा कुशवाहा पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अभिषेक पटेल पप्पू कनौजिया राजा कुशवाहा रामखेलावन कुशवाहा जेपी कुशवाहा केपी कुशवाहा डॉ राज किशोर कुशवाहा रघुनाथ बौद्ध शंकर लाल कुशवाहा संगीत भारती उमाशंकर कुशवाहा भीकू संघ के दो संत भी उपस्थित रहे श्रद्धांजलि सभा में परिवारजन भी उपस्थित रहे, जिन्होंने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा, सम्मान एवं संवेदनाओं से ओतप्रोत

जनसंघर्षों की बुलंद आवाज योगेंद्र सिंह कुशवाहा

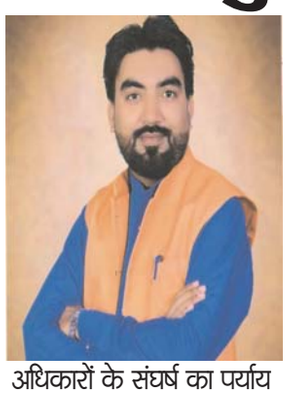

जबलपुर। गरीब की उम्मीद मजदूर की ताकत किसान की आवाज और वंचित समाज के अधिकारों की लड़ाई का नाम योगेंद्र सिंह कुशवाहा सम्राट अशोक क्रांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने केवल संगठन का नेतृत्व नहीं किया बल्कि समाज के हर उस व्यक्ति की आवाज बनने का काम किया जिसे वर्षों से उपेक्षा अन्याय और शोषण का सामना करना पड़ा

बुंदेलखंड की धरती पर संघर्ष और जनसेवा की जो मिसाल योगेंद्र कुशवाहा जी ने कायम की है वह आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है सीमित संसाधनों में रहकर भी उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया समाज के गरीब, मजदूर, किसान पिछड़े और वंचित वर्ग की समस्याओं को लेकर उन्होंने लगातार सड़क से लेकर प्रशासनिक कार्यालयों तक संघर्ष किया और हर मंच पर उनकी आवाज को मजबूती से उठाया

जब भी समाज पर अन्याय हुआ, जब भी किसी गरीब की आवाज दबाने की कोशिश हुई तब योगेंद्र सिंह कुशवाहा सबसे आगे खड़े दिखाई दिए उनका जीवन केवल राजनीति नहीं बल्कि जनसेवा सामाजिक न्याय और अधिकारों के संघर्ष का पर्याय बन चुका है वह मानते हैं कि समाज की असली ताकत उसके जागरूक और संगठित लोगों में होती है इसलिए उन्होंने हमेशा युवाओं को सामाजिक चेतना और संगठन की ताकत से जोड़ने का कार्य करते रहते हैं उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल भाषण नहीं देते बल्कि संघर्ष के मैदान में उतरकर समाज के साथ खड़े दिखाई देते हैं गरीबों को न्याय दिलाने शोषित वर्ग की आवाज को शासन प्रशासन तक पहुंचाने और सामाजिक सम्मान की लड़ाई लड़ने में उनका योगदान लगातार बढ़ता जा रहा है यही कारण है कि आज बुंदेलखंड सहित पूरे प्रदेश में उनका नाम संघर्ष और साहस की पहचान बन चुका है

संघर्ष की पहचान

मजदूर हो या किसान सबकी उम्मीदों का किनारा हैं न्याय की लड़ाई में योगेंद्र कुशवाहा सबसे बुलंद सहारा हैं अधिकारों की रक्षा के लिए वो ढाल बनकर खड़े रहते हैंअन्याय के आगे जो न झुके उसे ही योगेंद्र कुशवाहा कहते हैं

जनता की आवाज बनकर, जो विधानसभा तक जाएगा

वही कर्मठ योद्धा अब नया इतिहास बनाएगा

जुबां पर सचदिल में वतन और हाथों में सेवा का साथ हैयोगेंद्र कुशवाहा जी के साथ अब सारा समाज है आज समाज को ऐसे ही निडर, कर्मठ और जनहितैषी नेतृत्व की आवश्यकता है, जो सत्ता नहीं बल्कि समाज के सम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करना जानता हो योगेंद्र सिंह कुशवाहा जी का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्चा नेता वही होता है जो जनता के दुख-दर्द को अपना समझे और हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा रहे आने वाला समय उन लोगों का होगा जो समाज को जोड़ने गरीबों को न्याय दिलाने और वंचित वर्ग की आवाज बनने का साहस रखते हैं योगेंद्र सिंह कुशवाहा केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि सामाजिक न्याय संघर्ष और जनक्रांति की मजबूत आवाज हैं।

प्राचीन धरोहर की सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी: प्रणव पाठक

125 वर्ष पुराने धनहा तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ, ग्रामीणों ने बताया ऐतिहासिक पहल

सिंगरौली

सिंगरौली। जिले के जनपद पंचायत देवसर अंतर्गत ग्राम पंचायत धनहा स्थित लगभग 125 वर्ष पुराने ऐतिहासिक तालाब के पुनर्जीवन की दिशा में 8 मई दिन शु वार को एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाया गया। जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रणव पाठक 'वीरू' के सतत प्रयासों एवं पहल के परिणामस्वरूप तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का विधिवत शुभारंभ नारियल फोड़कर किया गया। वर्षों से उपेक्षा का शिकार रहे इस प्राचीन तालाब के पुनर्जीवन की मांग स्थानीय ग्रामीण एवं सरपंच रावेंद्र द्विवेदी रामे ने लंबे समय से कर रहे थे। बताया जा रहा है कि जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रणव पाठक ने इस विषय को प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता से उठाते हुए जिले के संवेदनशील कलेक्टर गौरव बैनल के मुख्यालय में प्रथम आगमन पर जनपद अध्यक्ष श्री पाठक ने क्षेत्र की जनता की भावना को अवगत कराया। उनके इस प्रयासों के बाद अब तालाब के कायाकल्प की प्र िया ने धरातल पर आकार लेना शुरू कर दिया है।

गौरतलब है कि शु वार को शुभारंभ अवसर पर क्षेत्रीय नागरिकों एवं ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के लिए 'ऐतिहासिक पहल' बताते हुए कहा कि यह केवल एक तालाब का जीर्णोद्धार नहीं, बल्कि गांव की पुरानी विरासत और सांस्कृतिक पहचान को पुनर्जीवित करने का प्रयास है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तालाब के सौंदर्यीकरण एवं गहरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद न केवल जल संरक्षण को मजबूती मिलेगी, बल्कि किसानों को सिंचाई सुविधा, पशुपालकों को जल उपलब्धता तथा भू-जल स्तर में सुधार का लाभ भी प्राप्त होगा। इसके साथ ही तालाब क्षेत्र आने वाले समय में ग्रामीणों के लिए प्राकृतिक सौंदर्य एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन सकता है। जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रणव पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान 3.0 के अंतर्गत पुराने जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि धनहा का यह ऐतिहासिक तालाब आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण का प्रेरणास्रोत बनेगा।

उन्होंने आगे कहा कि विकास केवल सड़कों और भवनों तक सीमित नहीं है, बल्कि जल, पर्यावरण और ग्रामीण विरासत को बचाना भी विकास का महत्वपूर्ण आधार है। धनहा तालाब का जीर्णोद्धार क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन, जल संचयन एवं ग्रामीण सौंदर्यीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

क्षेत्रीय नागरिकों का मानना है कि अध्यक्ष प्रणव पाठक के सि य प्रयासों से देवसर क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली है और लंबे समय से उपेक्षित जनहित के मुद्दे अब तेजी से समाधान की ओर बढ़ रहे हैं।

इस अवसर पर एसडीओ आरईएस अरूण कुमार द्विवेदी, ग्राम पंचायत धनहा सरपंच रावेंद्र द्विवेदी रामे,उपयंत्री सुमित वर्मा,विजय कुशवाहा, रामप्रसाद रजक,द्वारिका गौतम,अरविंद द्विवेदी, मनोज शुक्ला, प्रशांत शुक्ला,रवि प्रजापति, पत्रकार एवं स्थानीय ग्रामीण जन मौजूद रहें।

नगर निगम सिंगरौली द्वारा जयंत बस स्टैंड पर संचालित दीनदयाल रसोई में मात्र 5 में मिल रहा है भरपेट भोजन

सिंगरौली

सिंगरौली,राज्य शासन की जनकल्याणकारी प्राथमिकताओं को धरातल पर उतारते हुए नगर पालिक निगम सिंगरौली द्वारा दीनदयाल रसोई योजना का सफल संचालन किया जा रहा है। जयंत बस स्टैंड स्थित केंद्र पर राज्य शासन के निर्देशों के अनुरूप आमजन और यात्रियों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन निरंतर उपलब्ध कराया जा रहा है। निगम प्रशासन यात्रियों की सुविधाओं के प्रति पूरी तरह सजग है और वर्तमान में रसोई का संचालन बस स्टैंड परिसर के निर्धारित कक्ष में पूरी सक्रियता के साथ किया जा रहा है। योजना के नोडल अधिकारी अक्षत उपाध्याय ने बताया कि यहाँ भोजन के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल की भी पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही, नवीन भवन में विद्युत साज-सज्जा का कार्य पूर्ण होते ही इसे और भी भव्य और सुविधायुक्त स्वरूप में प्रारंभ कर दिया जाएगा। राज्य शासन की इस योजना के माध्यम से नगर निगम सिंगरौली न केवल गरीब और जरूरतमंदों को संबल प्रदान कर रहा है, बल्कि स्वच्छता और सेवा के उच्च मानकों के साथ आमजन को बेहतर सुविधाएं देने हेतु सतत प्रयासरत है।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्यवाही

72 बल्क लीटर देशी मदिरा जप्त, आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली

सिंगरौली,जिले में अवैध मदिरा व्यापार एवं संग्रहण के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत आबकारी विभाग द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए 72 बल्क लीटर देशी मदिरा जप्त की गई। यह कार्यवाही कलेक्टर श्री गौरव बैनल के मार्गदर्शन तथा जिला आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के निर्देशन में वृत्त सरई क्षेत्र में की गई।आबकारी विभाग की टीम द्वारा सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत निगरी निवासी आरोपी बालमुकुंद साहू पिता स्वर्गीय शिवनाथ साहू, उम्र 35 वर्ष के पोल्ट्री फार्म पर दबिश दी गई। कार्यवाही के दौरान 4 कागज के कार्टून में देशी मदिरा मसाला तथा 4 कागज के कार्टून में देशी मदिरा प्लेन सहित कुल 72 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई। जप्त मदिरा की अनुमानित कीमत 36 हजार 200 रुपये बताई गई है। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया तथा माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। संपूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी भी कराई गई।उक्त कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक श्वेता सिंह, आबकारी आरक्षक रीतिका चौकसे, अनुज भुंजिया एवं धीरू सिंह की सि य भूमिका रही।

जनगणना कार्य में उत्कृष्ट प्रगणकों का सम्मान

सिंगरौली

सिंगरौली। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने वाले प्रगणकों को जिला प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर गौरव बैनल ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने प्रगणकों की मेहनत, निष्ठा और जिम्मेदारी की सराहना करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा में घर-घर पहुंचकर गणना कार्य पूरा करना सराहनीय उपलब्धि है। इसके लिए सभी प्रगणक बधाई के पात्र हैं।

प्रदेश के जंगल में 20 फीसदी बाघों की मौत करंट से, ताकतवर बाघों से बाघिन और शावकों को खतरा

पिछले 4 महीने में करंट से हुई 6 बाघों की मौत, अब तक 29 टाइगर की गई जान

भोपाल

प्रदेश के वनक्षेत्रों में बिजली के तार बाघों की जान के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। वहीं वनक्षेत्रों में बाघिन और शावक ताकदवर नर बाघ से आपसी संघर्ष में मारे जा रहे हैं। वन विभाग की पिछले चार महीने की रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। प्रदेश के वनक्षेत्रों में अब तक 29 बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें से 6 बाघों की मौत करंट लगने से हुई है। यानी 20 फीसदी बाघों की मौत करंट से हो रही है। वहीं प्रदेश के टाइगर रिजर्व और रिजर्व के बाहर बाघिन और शावक की जान को ज्यादा खतरा है। इनकी ज्यादातर मौतें आपसी संघर्ष की वजह से हो रही हैं। इससे साफ है कि प्रदेश के वनक्षेत्रों में ताकदवर बाघ अपनी टेरेटरी में दूसरे बाघों को आने से रोक रहे हैं। इससे आपसी संघर्ष की स्थिति बन रही है। वनक्षेत्रों में हुई अब तक की मौतों में सबसे ज्यादा मौतें आपसी संघर्ष की वजह से हुई हैं।

आपसी संघर्ष में सबसे ज्यादा बाघिन और शावकों की मौत हुई है। इस बार बाघों की मौत का आंकड़ा पिछले साल की मौतों का भी रिकार्ड तोड़ सकता है। पिछले साल प्रदेश के वनक्षेत्र में 55 बाघों की मौत हुई थी। इस साल चार महीने में ही 29 बाघों की मौत हो चुकी है।

आपसी संघर्ष से हुई 9 बाघों की मौत

इस साल अब तक आपसी संघर्ष से 9 बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें से 4 बाघिन और 2 शावकों की जान आपसी संघर्ष से हुई। यानी ताकतवर बाघ दूसरे बाघों को मार रहे हैं। इस आपसी संघर्ष में बाघिन और शावकों की जान ज्यादा जा रही है। वहीं पिछले दिनों कान्टां टाइगर रिजर्व में कैनाइन वायरस की चपेट में आने से 4 शावक और 1 बाघिन की मौत हो गई थी। इसके बाद से कान्हां टाइगर रिजर्व सहित दूसरे टाइगर रिजर्व में अलर्ट जारी किया गया है। कैनाइन वायरस कुत्तों से फैलने वाली बीमारी है। इसके बचाव के लिए अब टाइगर रिजर्व से सटे गांवों में कुत्तों को वैक्सीन लगाई जा रही है।

बाघों की संख्या बढ़ने के साथ खतरा भी बढ़ा

प्रदेश में पिछली गणना के मुताबिक 785 बाघ हैं। अगली बाघ गणना में बाघों की संख्या 1 हजार से अधिक होने का अनुमान है। प्रदेश में बाघों की संख्या हर साल बढ़ रही है। इसके साथ ही टाइगर की जान को खतरा भी बढ़ा है। बाघों की संख्या बढ़ने के साथ ही इनकी मौतों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। वन विभाग का दावा है कि बाघों के संरक्षण के लिए लगातार उपाय किए जा रहे हैं। इसके बाद भी मौत के मामले कम नहीं हो रहे हैं। इससे अब वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल भी उठ रहे हैं।

करंट लगने से इन क्षेत्रों में बाघों की मौत

- पूर्व मंडला वनमंडल में 9 जनवरी को एक बाघिन की मौत करंट लगने से हो गई थी।
- उमरिया वन मंडल में 16 जनवरी को 4 साल की बाघिन की मौत करंट से हुई।
- उत्तर शहडोल वनमंडल में 1 फरवरी को एक बाघिन की मौत करंट लगने से हो गई थी।
- उत्तर शहडोल वनमंडल में 2 फरवरी को एक नर बाघ की मौत करंट लगने से हुई थी।
- उमरिया परियोजना में 6 अप्रैल को एक बाघिन की मौत करंट लगने से हुई थी।
- दक्षिण सिवनी वन मंडल में 26 अप्रैल को एक बाघिन की मौत करंट लगने से हुई।
- पश्चिम छिंदवाड़ा वन मंडल में 26 मार्च को एक बाघ की मौत शिकार की वजह से हुई।

कूनो में वंशवृद्धि के लिए रिलीज की जाएंगी दो मादा चीता, कॉलर आईडी से होगी मॉनीटरिंग

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क में वंशवृद्धि के लिए दो मादा चीता को खुले वनक्षेत्र में छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मादा चीता को 11 मई को रिलीज करेंगे। कॉलर आईडी के जरिए इनकी निगरानी की जाएगी। इसकी तैयारियां वन विभाग ने शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 मई की शाम कूनो नेशनल पार्क पहुंचेंगे और वहीं रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद 11 मई की सुबह लगभग 8 बजे कूनो रेस्ट हाउस के समीप कूनो नदी किनारे स्थित साइट पर दो चीतों को खुले जंगल में छोड़ा जाएगा। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार दोनों चीतों को प्राकृतिक वातावरण में स्वतंत्र रूप से विचरण के लिए रिलीज करने की तैयारी पूरी की जा रही है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों को रिलीज किए जाने से पहले तैयारियां शुरू कर दी हैं। अधिकारियों ने चीता रिलीज साइट पर जाकर वहां चल रही तैयारियों का अवलोकन किया। वन विभाग की टीम द्वारा चीतों की मॉनिटरिंग, सुरक्षा व्यवस्था और रिलीज प्रक्रिया को लेकर की जा रही व्यवस्थाएं की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से आए 8 चीतों को कूनो में छोड़ा था। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 12 चीतों को साल 2023 में कूनो में रिलीज किया गया था।

कूनो में 57 चीते, 27 का जन्म प्रदेश में: कूनो नेशनल पार्क में अभी 57 हो चुकी है। खास बात यह है कि इनमें से 27 चीता शावकों का जन्म प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में हुआ है। इनमें से 3 चीतों को गांधी सागर अभयारण्य में रिलीज किया जा चुका है। अब रानी दुर्गावती अभयारण्य को चीतों के तीसरे घर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस साल अब तक कूनो नेशनल पार्क की मादा चीता गामिनी 3 और निर्वा व आशा चीता भी शावकों को जन्म दे चुकी है। इस साल फरवरी में बोत्सवाना से 9 चीते लाए गए थे।

सरकार सेवा भारती से वापस ले सकती है ओल्ड एज होम के संचालन का काम

किराया ज्यादा, 24 करोड़ का ओल्ड एज होम पड़ा खाली,56 की कैपेसिटी,रह रही सिर्फ एक महिला

- मुख्यमंत्री ने गत 24 जनवरी को ओल्ड एज होम संध्या छाया का शुभारंभ किया था
- यह प्रदेश का पहला सर्व सुविधायुक्त सरकारी पेड ओल्ड एज होम है
- ओल्ड एज होम के सिंगल बेड रूम का किराया 46 हजार और डबल बेड रूम का 80 हजार रुपए प्रति माह है

भोपाल

प्रदेश का पहला सर्व सुविधायुक्त सरकारी पेड ओल्ड एज होम बुजुर्गों को रास नहीं आ रहा है। ओल्ड एज होम संध्या छाया की कैपेसिटी 56 लोगों की है, लेकिन यहां सिर्फ एक बुजुर्ग महिला रह रही हैं। ओल्ड एज होम को शुरू हुए तीन महीने से ज्यादा हो चुके हैं। सरकार ने ओल्ड एज होम के निर्माण पर 24 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसका संचालन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी संस्था सेवा भारती कर रही है। यह ओल्ड एज होम राजधानी की प्राइम लोकेशन लिंक रोड नंबर 3 पर स्थित है।

अच्छी लोकेशन के साथ सभी सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद बुजुर्ग यहां रहने को नहीं आ रहे हैं, इसकी वजह ओल्ड एज होम का किराया बहुत ज्यादा होना है। ओल्ड एज होम के सिंगल बेड रूम का किराया 46 हजार रुपए प्रति माह और डबल बेड रूम का किराया 80 हजार रुपए प्रति माह है। ऐसे ही यहां पर एक सुईट है, जिसका किराया 90 हजार रुपए प्रति माह है। किराया ज्यादा होने के कारण ओल्ड एज होम खाली पड़ा है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि सरकार सेवा भारती से ओल्ड एज होम संचालन का कार्य वापस लेने पर विचार कर रही है। इसके संचालन के लिए फिर से टेंडर जारी किए जा सकते हैं। या फिर सरकार स्वयं इसे चलाने का निर्णय ले सकती है।

दरअसल, ऐसे कई नौकरीपेशा या व्यवसाय से जुड़े लोग हैं, जो विदेश में हैं या फिर मेट्रोपॉलिटन शहरों में रहते हैं। ये लोग किसी कारणवश बुजुर्ग माता-पिता को अपने साथ नहीं रख पाते। उनके वृद्ध माता-पिता घरों में एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं है। ऐसे बुजुर्गों को सुरक्षित और सर्व सुविधायुक्त आशियाना उपलब्ध कराने के मकसद से मप्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने राजधानी में लिंक रोड नंबर 3 पर 24 करोड़ की लागत से ओल्ड एज होम का निर्माण कराया है। यह पांच एकड़ से अधिक भूमि पर बना है। ओल्ड एज होम में 34 कमरे हैं, जिसमें 56 वृद्धजनों के रहने की सुविधा है। भवन में वातानुकूलित कमरे, टीवी, फ्रिज, गर्म एवं ठंडा पानी, निजी बालकनी की व्यवस्था प्रत्येक रूम में है। भवन में फिजियोथैरेपी सेंटर, आपातकालीन चिकित्सा सहायता सुविधा भी दी गई है। यहां लायब्रेरी, ओपन मेस, डाइनिंग हॉल और विशेष रूप से डिजाइन किया गया पाथ-वे, प्रत्येक कमरे में अटैच बाथरूम, इन सभी में काल बेल, इंटरकॉम, टेलीफोन की व्यवस्था दी गई है। ओल्ड एज होम में सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सरकार ने इसके संचालन की जिम्मेदारी 2 साल के लिए आरएसएस से जुड़ी संस्था सेवा भारती को सौंपी है। इतनी अच्छी सुविधाएं होने के बाद भी किराया ज्यादा होने से ओल्ड एज होम खाली पड़ा है।

बिजली, पानी, स्टॉफ पर खर्च करना पड़ रही बड़ी राशि

ओल्ड एज होम संध्या छाया का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत 24 जून को किया था। सरकार को उम्मीद थी कि ओल्ड एज होम के चालू होते ही सभी कमरे भर जाएंगे। इसलिए ओल्ड एज होम में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर कमरे देने का निर्णय लिया गया था। इसका शुभारंभ हुए तीन महीने से ज्यादा हो गए, लेकिन यहां कमरे खाली पड़े हैं। यहां गोवा निवासी सिर्फ एक महिला रह रही हैं, जबकि इसके मेंटेनेंस से लेकर बिजली, पानी, स्टॉफ आदि पर सेवा भारती को हर महीने बड़ी राशि खर्च करना पड़ रही है। ओल्ड एज होम में बुजुर्गों के नहीं रहने से सरकार का इसे बनाने का मकसद पूरा नहीं पा हो रहा है। यही वजह है कि सरकार ओल्ड एज होम का संचालन सेवा भारती से वापस लेने पर विचार कर रही है। जल्द ही इस संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

इनका कहना है

अभी ओल्ड एज होम में सिर्फ एक बुजुर्ग महिला रह रही हैं। उम्मीद है कि आने वाले समय में ओल्ड एज होम के सभी कमरे भर जाएंगे। इसके लिए प्रयास जारी हैं।

■ **गंधर्व सिंह ठाकुर**
मैनेजर, ओल्ड एज होम

बीना को जिला बनवा दें और विकास के लिए 300 करोड़ दिला दें, तो मैं कांग्रेस के साथ: निर्मला

न कांग्रेस छोड़ी न बीजेपी में शामिल हुई, आखिर किसके पाले में बीना विधायक

भोपाल

कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद भाजपा के मंचों पर नजर आने वाली बीना विधायक निर्मला सप्रे ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। सप्रे ने कहा- उमंग सिंघार बीना को जिला बनवा दें। विकास कार्यों के लिए 300 करोड़ रुपए दिला दें, तो वह कांग्रेस में रहने को तैयार हैं। जो जिला बनाएगा, हम उनके साथ हैं। मीडिया ने पूछा कि- वे आखिर इस समय किस पार्टी के साथ हैं, तो निर्मला सप्रे ने कहा- आप भी जानते हैं कि जब कोर्ट में मामला लंबित हो तो हमें उस पर प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। जो भी डिसाइड करेगा वह कोर्ट निर्णय करेगा। जनता डिसाइड कर चुकी है। जहां कोर्ट डिसाइड करेगा मैं वहां रहूंगी। सप्रे ने कहा- मैंने खुद कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया था। कोर्ट हमारी पार्टी के उमंग सिंघार गए थे। अगर उनको संशय है तो वह संशय कोर्ट में क्लियर करें। कोर्ट डिसाइड करेगा कि क्या है। मुझे जहां से आमंत्रण मिलता है, मैं वहां जाती हूं। कांग्रेस कार्यालय न जाने के सवाल पर भी निर्मला सप्रे ने कहा, मुझे जहां से आमंत्रण होता है, मैं वहां जाती हूं। जो मुझे बुलाता है मैं वहां चली जाती हूं। पार्टी के कुछ लोग नहीं चाहते कि वे विधायक के रूप में सक्रिय रहें।

- **पार्टी में बैठे लोग षडयंत्र कर रहे:** विधायक ने कहा- कुछ लोग हैं जो पार्टी में बैठे हैं, वह नहीं चाहते कि बीना की विधायक काम करे। यह उनका षड्यंत्र था, पार्टी का षड्यंत्र कहीं भी नहीं है। वे नहीं चाहते कि मैं विधायक रहूं, क्योंकि बीना में पिछले 15-20 साल में जो काम नहीं हुए, वो मैं करवा रही हूं।
- **निर्मला सप्रे पूरी तरह झूठ बोल रहीं:** वहीं पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि निर्मला सप्रे पूरी तरह झूठ बोल रही हैं। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें टिकट दिया और विधायक बनाया। लोकसभा चुनाव के दौरान वे भाजपा के कार्यक्रमों में शामिल हुईं। उन्हें नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। पूरी कांग्रेस पार्टी ने मेहनत कर उन्हें जिताया था। बीना में लंबे समय बाद कांग्रेस की सीट आई थी। अगर उन्हें भाजपा में जाना है तो जाएं, लेकिन पहले इस्तीफा दें और फिर चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा, मैं विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध करता हूं कि उन्हें बर्खास्त किया जाए। बीना में फिर से चुनाव कराइए, जिसमें दम होगा वह जीतकर आ जाएगा। उन्होंने पार्टी के साथ दगा किया है। पीसी ने कहा कि अगर कोई विधायक खुले मंच से यह कहे कि द्म300 करोड़ रुपए और बीना को जिला बना दो तो कांग्रेस ज्वाइन कर लूंगीद्य, तो इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि वे आज भी कांग्रेस में हैं ही नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरा मामला राजनीतिक सौदेबाजी और सत्ता के दबाव का खेल बन चुका है। शर्मा ने कहा, जनता को भ्रमित करने के लिए कभी इधर तो कभी उधर की राजनीति की जा रही है। पीसी शर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष से तत्काल स्थिति स्पष्ट करने की मांग भी की।

पुलिस महकमे में फिर शुरू होगी कार्यवाहक पदोन्नति

भोपाल

पुलिस महकमे में उच्च पद का कार्यवाहक प्रभार देने की प्रक्रिया फिर शुरू होने जा रही है। करीब 11 महीने पहले इस व्यवस्था पर रोक लगा दी गई थी जिसे अब हटा लिया गया है। पुलिस मुख्यालय से सभी पुलिस इकाइयों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।

11 माह पहले लगाई थी रोक, हाईकोर्ट का आदेश पीएचक्यू ने किया अमल

पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर विभाग में उच्च पदों का कार्यवाहक प्रभार देने की प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने का फैसला लिया है। पीएचक्यू द्वारा जारी आदेश के अनुसार मध्य प्रदेश पुलिस रेगुलेशन पैरा-72 के अंतर्गत उच्च पदों का कार्यवाहक प्रभार देने की कार्रवाई पहले संचालित की जा रही थी।

पिछले साल 17 जून को सरकार द्वारा पदोन्नति के नए नियमों को मंजूरी दिए जाने और 19 जून 2025 को नियमित पदोन्नति संबंधी अधिसूचना जारी होने के बाद इस प्रक्रिया को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया था। डीजी प्रशासन आदर्श कटियार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि जबलपुर उच्च न्यायालय द्वारा 23 अप्रैल 2026 को पारित आदेश में उच्च पदों पर कार्यवाहक प्रभार दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसलिए न्यायालय के आदेश के पालन में पुलिस मुख्यालय ने यह प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों का कहना है कि इस आदेश के बाद पुलिस विभाग में रिक्त या आवश्यक उच्च पदों पर अधिकारियों को अस्थायी रूप से जिम्मेदारी सौंपी जा सकेगी, जिससे कार्यों में तेजी आएगी।

एनीमिया मुक्त भारत स्कोर कार्ड 2025-26 में मप्र प्रथम

मंत्री शुक्ला ने अमले को दी बधाई

भोपाल

मप्र ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) स्कोर कार्ड 2025-26 में 92.1 एएमबी इंडेक्स के साथ देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि यह उपलब्धि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार और एनीमिया नियंत्रण की दिशा में प्रदेश सरकार की सतत प्रतिबद्धता और प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम सहयोगी विभागों और मैदानी स्वास्थ्य अमले को बधाई दी है। डिप्टी सीएम शुक्ला ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार, पोषण सुदृढ़ीकरण तथा एनीमिया उन्मूलन के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित मप्र की आधारशिला हैं। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य के प्रत्येक मानक में निरंतर सुधार के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

दिव्यांग जनों के लिए अब नई नीति तैयार करेगी सरकार

अभी हर विभाग की अलग योजना, तालमेल की कमी, नई नीति से एक प्लेटफार्म पर आएंगे विभाग

भोपाल

प्रदेश में दिव्यांगजन के लिए समग्र नीति तैयार होगी। इसके लागू होने पर सभी विभाग एक प्लेटफार्म पर काम करेंगे। अभी विभाग अलग-अलग योजनाएं चलाते हैं। एक नीति नहीं होने के कारण समान रूप से काम नहीं हो पाता है। इसे देखते हुए आयुक्त दिव्यांगजन डॉ.अजय खेमरिया ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से समग्र नीति बनाने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार कर नीति बनाने का दायित्व उन्हें ही सौंप दिया गया है। छह माह में वह अपनी अनुशंसा सरकार को देंगे, जिसके आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

2011 के आंकड़ों के अनुसार 10 लाख दिव्यांग

प्रदेश में 2011 की जनगणना के अनुसार 10 लाख से अधिक दिव्यांग हैं। आयुक्त दिव्यांगजन डॉ. अजय खेमरिया ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बताया था कि समग्र दिव्यांगजन नीति नहीं होने के कारण सुनियोजित विकास नहीं हो पा रहा है। एकरूपता की कमी के कारण विभाग अलग-अलग योजनाएं चलाते हैं। एकरूपता की कमी है, इसलिए नीति बनाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने इस पर सहमति जताई। अब दिव्यांगों के क्षेत्र में काम करने वालों से लेकर हितग्राहियों से बात की जाएगी। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भी मैदानी स्थिति का आकलन करवाया जाएगा और इसके आधार पर नीति का प्रारूप तैयार करके सरकार को सौंपा जाएगा।

प्रबंधन प्रदेश में पहली बार एमबीए में शुरू होगा टेंपल मैनेजमेंट कोर्स, उज्जैन से पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत

महाकाल-ओंकारेश्वर में भीड़ संभालने अब बनेगा प्रोफेशनल सिस्टम

भोपाल

महाकाल मंदिर, ओंकारेश्वर और प्रदेश के अन्य बड़े धार्मिक स्थलों पर लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार अब प्रोफेशनल टेंपल मैनेजमेंट की दिशा में कदम बढ़ाने जा रही है। प्रदेश में पहली बार एमबीए पाठ्यक्रम के तहत टेंपल मैनेजमेंट कोर्स शुरू किया जाएगा। इसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय से होगी। सरकार का मानना है कि धार्मिक पर्यटन के लगातार बढ़ते दायरे के बीच अब मंदिरों और बड़े धार्मिक स्थलों की व्यवस्थाओं के लिए प्रशिक्षित मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की जरूरत महसूस की जा रही है।

- **सामान्य दिनों में भी उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ :** उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि पहले जहां सावन, शिवरात्रि और विशेष पर्वों पर ही भारी भीड़ दिखाई देती थी, वहीं अब सप्ताहांत और अवकाश के दिनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों में पहुंच रहे हैं। उज्जैन में सामान्य दिनों में भी एक लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। महाकाल मंदिर, ओंकारेश्वर, ओरछा सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर भी लगातार भीड़ बढ़ रही है। ऐसे में भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, सफाई और श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित बनाए रखना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।
- **भीड़ नियंत्रण से लेकर आपदा प्रबंधन तक की पढ़ाई:** प्रस्तावित टेंपल मैनेजमेंट कोर्स में आधुनिक मैनेजमेंट सिस्टम पर विशेष फोकस रहेगा। छात्रों को भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग सिस्टम, सफाई व्यवस्था, श्रद्धालुओं की आवाजाही और आपदा प्रबंधन जैसे विषय पढ़ाए जाएंगे। इसके साथ ही मंदिरों में चढ़ने वाले फूल-माला, नारियल और अन्य पूजन सामग्री के उपयोग तथा डिस्पोजल की वैज्ञानिक व्यवस्था का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। धार्मिक स्थलों की आंतरिक व्यवस्थाओं को अधिक तकनीकी और व्यवस्थित बनाने पर विशेष ध्यान रहेगा।
- **चर्च, मस्जिद और बड़े आयोजनों के प्रबंधन में भी लाभप्रद:** मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कोर्स केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि मैनेजमेंट के सिद्धांत हर जगह समान रूप से लागू होते हैं। इस कोर्स से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र चर्च, मस्जिद और अन्य धार्मिक या भीड़भाड़ वाले स्थलों पर भी व्यवस्थाएं संभाल सकेंगे। सरकार पहले इसे उज्जैन में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करेगी। इसके बाद छात्रों की रुचि और परिणामों के आधार पर इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय समेत अन्य विश्वविद्यालयों में भी इसे शुरू करने पर विचार किया जाएगा।

धार्मिक पर्यटन में प्रशिक्षित लोगों के आने से श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

सरकार का मानना है कि आने वाले समय में धार्मिक पर्यटन और बड़े धार्मिक आयोजनों में प्रशिक्षित मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ेगी। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। प्रशिक्षित लोगों के आने से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक स्थलों की व्यवस्थाएं अधिक संवेदनशील, व्यवस्थित और प्रोफेशनल तरीके से संचालित की जा सकेंगी।

इनका कहना है

प्रदेश में धार्मिक पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बड़े धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में व्यवस्थाओं को आधुनिक और प्रोफेशनल बनाने के लिए प्रशिक्षित लोगों की जरूरत महसूस की जा रही है। इसी उद्देश्य से टेंपल मैनेजमेंट कोर्स शुरू किया जा रहा है।

■ **इंदर सिंह परमार,** उच्च शिक्षा मंत्री मप्र

लोकतंत्र के लिए सुखद संकेत

पांच राज्यों में मतदान के बाद लोकतंत्र के लिए बेहद सुखद संकेत और रुझान है कि इस बार मतदान के आंकड़ों ने नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। आजकल 60-70 फीसदी मतदान हो जाए, तो राजनीतिक दल और नेतागण राहत की सांस लेते हैं। बंगाल के इस बार के मतदान पर खुलासा हुआ है कि आजादी के बाद देश में सबसे अधिक मतदान है, तो 1967 के बाद पहली बार तमिलनाडु में इतना अधिक मतदान किया गया है। जाहिर है कि अतीत के तमाम कीर्तिमान बौने हो गए हैं और लोकतंत्र की निर्णायक भागीदारी ने नए मील-पत्थर गाड़ दिए हैं। ये मतदान इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बंगाल में कुल 91 लाख से अधिक और तमिलनाडु में 57 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए, काट दिए गए थे। अब भी लाखों के मताधिकार अधर में लटके हैं। एसआईआर का खौफ और भय था, ऐसी आशंकाएं भी जताई जा रही थीं कि यदि वोट नहीं देंगे, तो अंततः नागरिकता भी जा सकती है! यहां हम स्पष्ट बता दें कि न तो संविधान में ऐसा कोई प्रावधान है और न ही देश का कानून है कि वोट न देने से नागरिकता रद्द की जा सकती है। बंपर मतदान की व्याख्याएं शुरू हो गई हैं। कुछ पेशेवर चुनावी पंडित 'शर्तिया विश्लेषण' करने में जुटे हैं कि भाजपा कुल मिला कर 150-160 सीटें जीत रही है, नतीजतन ममता की 15 साल पुरानी सत्ता ढह रही है और भाजपा की सरकार बन रही है। यह दावा प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक जनसभा में किया था कि इस बार कई जिलों में तृणमूल कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। बंगाल और भाजपा के दरमियान चारित्रिक और सांस्कृतिक फासले आज भी हैं। बहरहाल ममता बनर्जी चुनाव हारती हैं, तो एसआईआर के कारण नहीं, बल्कि महिला मतदाताओं के कम वोट के कारण हारेंगी। बेशक मतदान का दिन कई 'मुक्त' के साथ बीता है, लेकिन बंगाल 'हिंसा-मुक्त' नहीं हो पाया। मुर्शिदाबाद इलाके में निवर्तमान विधायक हुमायूं कबीर के वाहन पर पथराव हुआ। उनके साथ हाथापाई भी हुई। इसी तरह कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार सुवेन्दु सरकार को लोगों ने भगा-भगा कर पीटा। एक पुलिसिया अंगरक्षक इतनी भीड़ के मुक्के-थप्पड़ों को कैसे रोक सकता था। भाजपा प्रत्याशी ने गली-गली, खेतों से भाग कर जान बचाई। कहां थी 2.40 लाख सुरक्षा बलों के जवानों की सुरक्षा! 2024 में पूरे देश में लोकसभा चुनाव के दौरान कुल 3.4 लाख जवान तैनात किए गए थे। इस बार बंगाल में ही 2.40 लाख जवान और फिर भी पत्थर, बम, लाठी और पिटाई सब कुछ हुआ। गनीमत है कि अभी तक मौत के आंकड़े सुनाई नहीं दिए।

नृसिंह जयंती पर विशेष

भगवान् श्री नृसिंह प्राकट्योत्सव, अहंकार की पृष्ठभूमि पर लिखी गई सर्वनाश की परिभाषा

उमेश चंद्र शर्मा
स्तंभकार

भगवान् के अपने ही सेवक अहंकार के वशीभूत होकर जब अनाधिकार चेष्टा एवं अमर्यादित आचरण करते हुए, सिद्ध महात्माओं को अपमानित करने लगते हैं और प्रभु दर्शन में बाधक बन जाते हैं, तब भगवान् श्री हरि दंडस्वरूप उन्हें शापित करवाकर और उनकी अहंकार मूलक मनोवृत्ति का नाश कर उनके अंतःकरण को निर्मल स्वरूप प्रदान करते हैं किंतु भगवान् द्वारा किए गए ऐसे दंड विधान के मूल में भी उनकी कृपा ही छिपी होती है, जिसे प्राप्त कर जीव कृतकृत्य हो जाता है।

स्वयं प्रकाश परमात्मा जिनके पावन नामों का उच्चारण करने वाला पुरुष सनातन मोक्ष पद को प्राप्त हो जाता है, वे ही पुराण पुरुषोत्तम भगवान् सम्पूर्ण विश्व के आत्मा, विश्व स्वरूप और सबके स्वामी हैं, वे अपने प्रेमी भक्तों को आत्मा का दिव्य आनंद प्रदान करने एवं दूषित वृत्तियों के विनाश हेतु कभी श्रीराम, श्रीकृष्ण और कभी नृसिंह रुप में इस धरा धाम पर प्रकट होकर जहां अपने निजजनों को प्रेमानंद प्रदान करते हैं, वहीं पाशविक वृत्तियों का नाश कर धर्म राज्य की स्थापना करते हुए जनमानस को निर्भयता प्रदान करते हैं।

दैत्यराज हिरण्यकशिपु ने ब्रह्माजी से दुर्लभ वरदान प्राप्त कर सप्त द्वीपों के अखंड राज्य सहित इन्द्रासन पर अधिकार प्राप्त कर लिया तथा समस्त लोकों को जीतकर वह दिग्विजयी दैत्यराज सबका एकछत्र सम्राट बनकर स्वच्छंदता पूर्वक विषयों का भोग करते हुए और स्वयं को ईश्वर घोषित कर धर्म पथिकों पर अत्याचार करने लगा, परिणामस्वरूप उसकी आतंकपूर्ण, निरंकुश एवं स्वैच्छाचारी वृत्तियों से मृत्युलोक सहित अन्य सभी लोक भयाक्रांत हो गए और सब तरफ हाहाकार मचने लगा किंतु जब अपनी पापमयी कुत्सित वृत्तियों से वह देवता, वेद, गाय, ब्राह्मण, साधु और धर्म को अपमानित तथा भगवान् से द्वैष करने लगा, तब वरदान जनित शक्ति से संपन्न उस आतंकवादी योद्धा का भगवान् नृसिंह द्वारा वध कर दिया गया।

दैत्यराज हिरण्यकश्यपु के अत्याचार, आतंक और स्वैच्छाचारिता के मूल में अहंकार वश की गई अनाधिकार चेष्टा के साथ ही सेवक धर्म की अवहेलना से उपजा यथार्थ भी था, जिसके परिणामस्वरूप प्रभु प्रेरित होकर सनकादि मुनियों ने प्रभु के दो सेवकों जय और विजय को दैत्य कुल में जन्म लेने का श्राप दिया था। सनकादिकों से शापित जय विजय ही दैत्यों के कुल में हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु के रूप में जन्में और दैत्य समुदाय से मसीहा के रूप में सम्मानित हो गए किंतु उनकी अहंकारी वृत्ति ने अंततः उन्हें पराभव की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। दैत्याधिपति हिरण्यकशिपु विकट तपोसाधना के बल पर भगवान् ब्रह्माजी से दुर्लभ वरदान प्राप्त करने में तो सफल हुआ किंतु वह वरदान लोक हितार्थ नहीं होकर अपने अहंकार की परिपुष्टि करने वाले थे इसलिए वे अंततः उसके विनाश का ही कारण बने।

भगवान् कभी किसी को मारते नहीं बल्कि उसके लोक निंदित कर्मों के लिए उचित दंड विधान सुनिश्चित कर उसे स्वधर्म पालन की ओर अग्रसर करते हैं, वे अपने निज जनों को भी उनके द्वारा किए गए अपराधों के लिए उन्हें क्षमा नहीं करते हैं बल्कि दंड के माध्यम से उन्हें अपनी भूल का एहसास कराते हुए उनकी दोषपूर्ण वृत्तियों का नाश कर उनके हृदय को निर्मल स्वरूप प्रदान करते हैं। इस तरह भगवान् के ऐसे दंड विधान में भी उनके निजजनों का सर्वतोमुखी हित ही समाहित होता है। यही कारण था कि भगवान् श्री विष्णु के सेवकों जय और विजय द्वारा जब सनकादि मुनियों के प्रति उद्दंडतापूर्वक एवं अमर्यादित व्यवहार किया गया तो उन्हें उन महात्माओं द्वारा ही शापित कराकर वैकुंठ लोक से निष्कासित किया गया। जय विजय का हिरण्यकशिपु और हिरण्याक्ष के दैत्य कुल में जन्म ग्रहण करना तथा उनके द्वारा निंदनीय कर्मों के बाद नियत समय में उनकी वैकुंठ वापसी प्रभु कृपा की अप्रतिम मिसाल है। भगवान् विष्णु के इस अवतार के मूल में केवल प्रह्लाद की रक्षा ही नहीं थी बल्कि उनकी दिव्य प्रेमा भक्ति, प्रभु के प्रति सर्वस्व समर्पण और अटूट आस्था भी थी, जिसके वशीभूत होकर भगवान् श्री हरि विष्णु को अवतार लेने हेतु बाध्य होना पड़ा। भगवान् नृसिंह के प्राकट्य होने और हिरण्यकशिपु के पराभव ने इस बात को रेखांकित किया है कि सत्ता के अहंकार में लिप्त होकर लोकजीवन को आतंकित एवं भयाक्रांत करने वाले निरंकुश, अत्याचारी और दुष्ट शासक का अंत सुनिश्चित है। ब्रह्मा के वरदान से आत्ममुग्ध हुआ महाबली हिरण्यकशिपु भयाक्रांत कर देने वाले अपने शासन में आतंक, अत्याचार और उत्पीड़न की नित नई परिभाषाएं लिखने लगा, परिणामस्वरूप उसकी प्रजा दुःख, ग्लानि एवं अवसाद से भर गई और पृथ्वी सहित तीनों लोकों में हाहाकार मच गया किंतु उस वक्त उस दुष्ट के अत्याचार, धर्म की सभी सीमा रेखाओं को लांघ गए, जब अहंकार के मद में वह अपने ही भगवद् परायण पुत्र और भगवान् के प्रिय भक्त प्रह्लाद को मौत के घाट उतारने हेतु उद्यत हो गया, तब भगवान् श्री विष्णु खंब तोड़ कर नृसिंह रुप में प्रकट हुए और दैत्यराज हिरण्यकशिपु के अत्याचार, आतंक एवं स्वैच्छाचारिता का अंत कर धर्म राज्य की स्थापना की तथा प्रह्लाद सहित संपूर्ण लोकजीवन को अभयत्व प्रदान किया। भगवान् विष्णु के विभिन्न अवतारों में यह अवतार पौराणिक काल की ऐसी अद्भुततम घटना थी, जिसने साधना के अहंकार को नेस्तनाबूद कर दिया। दैत्यराज हिरण्यकशिपु ने तप के बल पर दिव्य शक्तियां प्राप्त कर उनके दुरुपयोग को ही अपनी सफलता माना था, किंतु जब वह दंडित किया गया तो यह मिथक स्वयंमेव खंड खंड हो गया कि साधन सिद्ध पुरुष ही परम शक्ति है, जिसे कभी कोई चुनौती नहीं दे सकता। नृसिंह अवतार के माध्यम से भगवान् श्री विष्णु ने एकतरफ जहां दैत्यराज हिरण्यकशिपु की स्वैच्छाचारिता, अमर्यादित आचरण और अत्याचारपूर्ण क्रियाकलापों पर रोक लगाई, वहीं दूसरी तरफ स्वधर्म पालन में रत अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा कर उन्हें अभयत्व भी प्रदान किया। यह भगवान् का अपने निज जनों पर कृपा का ही एक तरीका है। वस्तुतः भगवान् श्रीहरि के नृसिंह रुप में आक्रोश अवतार का उद्देश्य केवल हिरण्यकशिपु का वध नहीं था बल्कि अहंकार के व्यामोह में अपनी मर्यादाओं का हनन कर प्रजाजनों को दारुण दुःख दिए जाने और उन पर अत्याचार किए जाने वाले एक दुष्ट शासक को दंड देकर सुधारने की एक प्रक्रिया थी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को अधिकृत करने की एक और कोशिश

मनोज कुमार मिश्र
स्तंभकार

केंद्र सरकार और राज्य सरकार के साथ दिल्ली नगर निगम ने 1731 में से 1511 अनधिकृत कालोनी के करीब दस लाख परिवार को मालिकाना हक देने का फैसला किया है। दिल्ली की अधिकांश जमीन का मालिकाना हक दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के पास है। इससे पहले 23 अक्तूबर, 2019 को तत्कालीन केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी केन्द्रीय मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि प्रधानमंत्री उदय योजना के तहत नाम मात्र का शुल्क लेकर कुछ अपवाद को छोड़ कर सरकारी और निजी जमीन पर बनी कालोनियों को निवासियों को मालिकाना हक देकर उसे नियमित किया जाएगा। उसी की अगली कड़ी में मनोहर लाल खट्टर और दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की। यह भी कहा कि जहां है, जैसा है -के आधार पर कालोनियां नियमित की जाएगी। देशभर से रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में दिल्ली आने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली को विकसित करने की जिम्मेदारी लेने वाली डीडीए इस काम में कब की फेल हो चुकी है। डीडीए लोगों को रहने के लिए घर देना तो दूर अपनी जमीन की हिफाजत तक नहीं कर पाई। डीडीए की हजारों एकड़ जमीन पर भू-माफिया सरकारी कर्मचारियों और नेताओं के साथ मिलकर लगातार अनधिकृत कालोनी बसा रहे हैं। पहले तो नेता ऐसे लोगों को वोट और नोट के लिए संरक्षण देते थे, अब तो अनेक माफिया चुनाव जीत कर निगम पार्षद, विधायक और सांसद बनने लगे हैं। वोट की राजनीति में कोई भी दल किसी भी अनधिकृत कालोनी को तोड़ने की हिम्मत नहीं कर सकता है। आज तक इस तरह की कालोनी को बसाने वाले एक भी भू-माफिया पर कारवाई नहीं हुई है। यही हाल अवैध झुग्गियों का है।

यह नियम बन गया है कि किसी झुग्गी परिवार को बिना वैकल्पिक जगह दिए नहीं हटाया जाएगा। बावजूद इसके दिल्ली के मुख्य इलाकों से हटाकर दिल्ली की सीमा पर बसाने पर भी विवाद होता रहा है। पूर्व नौकरशाह और केन्द्र सरकार में मंत्री रहे जगमोहन को 2004 के लोकसभा चुनाव में झुग्गी हटाने को मुद्दा बना कर हरा दिया। खुद जगमोहन का कहना था कि उनके खिलाफ कांग्रेस के ही नहीं भाजपा का एक वर्ग सक्रिय था। जबकि वास्तव में झुग्गी बस्तियों को व्यवस्थित तरीके से नए स्थान पर बसाने और यमुना नदी में गंदगी जाने से रोकने का जैसा अभियान जगमोहन ने शुरु किया था, वैसा उसके बाद अभी तक दोबारा नहीं हो पाया।

दिल्ली को विकसित करने के लिए 1957 में बनाया गया दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अपनी भूमिका कभी पूरी नहीं की।उसके अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार के खेल में अव्वल भूमिका निभाते आ रहे हैं। जरूरतमंदों को उचित कीमत पर घर देने के बजाए अपनी जमीन पर अवैध कालोनी बसाने में सहयोगी बने रहे। यह कैसे संभव है कि हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा हो गया और डीडीए के अधिकारियों को इसका पता नहीं चला।

पहली बार कांग्रेस ने अपना वोट बैंक पक्का करने के लिए 1071 में 54 कालोनियां को नियमित किया। इसमें कांग्रेस नेता हरकिशन लाल भगत ने यमुना पार की लक्ष्मीनगर, शकरपुर आदि कालोनियों को नियमित करवाया। यही काम बाहरी दिल्ली में सज्जन कुमार ने कराए। झुग्गी वालों को जेजे कालोनी में मकान देने के अलावा यमुना पार और बाहरी दिल्ली में मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, नंदनगरी, सीलमपुरी, गोकुलपुरी इत्यादि अनेक पुनर्वास कालोनी बसा दी। 1976-77 में आपातकाल में लोगों की नाराजगी दूर करने के लिए 514 रुपए प्रति वर्गमीटर विकास शुल्क देकर 607 कालोनियों के नियमित करने की घोषणा की गई। वास्तव में 567 कालोनियां ही नियमित हो पाई और वह भी बिना विकास शुल्क के।

कांग्रेस नेता चतर सिंह कहते हैं कि 1977 में तो इन कालोनियों के निवासियों ने जनता पार्टी को वोट किया लेकिन बाद में लंबे समय तक कांग्रेस के साथ रहे। इन्हीं नियमित और अनियमित अनधिकृत कालोनियों और पुनर्वास बस्तियों के निवासियों के बूते ही महानगर परिषद के आखिरी चुनाव में कांग्रेस जीती। उस चुनाव के बाद भाजपा नेता मदनलाल खुराना ने पहली बार इन बस्तियों में भाजपा के लिए राजनीतिक जमीन तैयार की। इसी बीच में दिल्ली को विधानसभा मिली और 1993 में विधानसभा का पहला चुनाव हुआ। चुनाव में भाजपा जीती और मदनलाल खुराना मुख्यमंत्री बने। अपने वायदे के हिसाब से एरियल सर्वे करवाकर 1071 कालोनियों को नियमित करने की विधानसभा में घोषणा की। एक तो केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी और दूसरे जैन हवाला कांड में नाम आने पर खुराना ने इस्तीफा दे दिया। फिर साहिब सिंह और आखिरी चार महीने सुषमा स्वराज मुख्यमंत्री रही। बिना कालोनी नियमित किए भाजपा सरकार की 1998 में विदाई हो गई। दिसंबर 1998 में शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस की दिल्ली में सरकार बन गई। इस बीच में कालोनियों की संख्या बढ़ गई। पहले भू-माफिया नेताओं को साथ लेकर अवैध कालोनी बसाते थे। अब तो कालोनी बसाने वालों में कई पैसे के बल पर विधानसभा पहुंच गए। एक समय ऐसा आया कि दिल्ली की कांग्रेस सरकार के शहरी विकास मंत्री डाक्टर अशोक कुमार वालिया को उनके ही दल के विधायकों ने विधानसभा में बयान नहीं देने दिया। उन्होंने सदन में बताया कि जिन 1071 कालोनी की सूची तैयार की गई है उनमें से 762 के ही ले आउट प्लान और फाइल उपलब्ध हो पाया है। बाद में यह संख्या 810 हो पाई यानी करीब ढाई सौ कालोनी का वजूद दी नहीं है। फर्जी तरीके से यह संख्या लगातार बढ़ाई जाती रही। यह बढ़कर 1639 हो गई। 2008 के चुनाव से पहले दिल्ली की कांग्रेस सरकार ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से आधे से अधिक बसावट वाली 1218 कालोनी को नियमित करने का अस्थाई प्रमाण पत्र दिलवाए। बाद में कालोनी की संख्या पर हंगामा हो गया। एक-एक कालोनी का सर्वे किया गया तो पता चला कि 43 कालोनी का वजूद ही नहीं है और 137 कालोनी में बसावट दस फीसदी से कम है। 1018 कालोनी विवाद रहित है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

लाइफ स्टाइल से जुड़ी है पाइल्स की समस्या, आयुर्वेद में भी है इलाज

पाइल्स यानी बवासीर वह स्थिति है जब गुदा और मलाशय के निचले हिस्से की नसों में सूजन आ जाती है। शौच के दौरान जब इन नसों पर दबाव पड़ता है तो वो फूल जाती हैं, जिससे तेज दर्द, जलन और खून बहने की समस्या हो सकती है।आमतौर पर तीन आदतों के कारण पाइल्स की समस्या होती है। खानपान की गलत आदतों के कारण जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती है उन्हें पाइल्स होने की संभावना अधिक रहती है। इसके साथ ही जो लोग लंबे समय तक बैठे रहते हैं, ऑफिस में डेस्क जॉब करते हैं या जिनकी लाइफस्टाइल सही नहीं उन्हें भी पाइल्स हो सकता है।

बढ़ती उम्र के दौरान- उम्र बढ़ने के साथ गुदा की नसें कमजोर हो जाती हैं। आमतौर पर 45 से 65 साल की उम्र के लोगों में यह समस्या ज्यादा होती है। प्रेग्नेंसी और प्रसव के दौरान- प्रेग्नेंसी के दौरान पेट पर दबाव बढ़ता है। इसी तरह डिलीवरी के समय जोर लगाने से नसों पर असर पड़ता है, जिसके कारण महिलाओं में बवासीर का रिस्क बढ़ जाता है। टॉयलेट में मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए देर तक बैठना, मल त्याग में जोर लगाना, ये आदतें नसों पर दबाव बढ़ाती हैं, जिससे पाइल्स की समस्या शुरू हो सकती है। लंबे समय तक कब्ज रहना, बार-बार दस्त होना, इन दोनों ही स्थितियों में गुदा पर दबाव पड़ता है और पाइल्स की समस्या शुरू होने का जोखिम बढ़ जाता है। अगर आप फल और सब्जियां कम खाते हैं, ज्यादा जंक फूड खाते हैं, तो मल सख्त हो सकता है, जिससे बवासीर का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा वजन बढ़ने से पेट के अंदर दबाव बढ़ता है, जो नसों को प्रभावित करता है। जो लोग दिनभर बैठे रहते हैं, एक्सरसाइज नहीं करते, उनकी पाचन क्रिया धीमी हो जाती है और कब्ज बढ़ता है।

पाइल्स से बचने के उपाय: पाइल्स से बचने के लिए लाइफ लाइफस्टाइल में बदलाव करें, इसके लिए-फाइबरयुक्त डाइट लें- अपनी डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं। फल, हरी सब्जियां, दालें, ओट्स और साबुत अनाज खाएं। फाइबर मल को नरम बनाता है और आसानी से बाहर निकालने में मदद करता है।

पानी ज्यादा पिएं: दिन भर में 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। इससे कब्ज नहीं होता और पाचन सही रहता है। शौच को कभी न रोकें, जोर लगाकर मल त्याग न करें, ज्यादा देर तक टॉयलेट में न बैठें, टॉयलेट में मोबाइल का इस्तेमाल न करें, जरूरत हो तो फुटस्टूल का उपयोग करें।

एक्सरसाइज करें: रोज 20-30 मिनट टहलें, योग और हल्की एक्सरसाइज करें, इससे पाचन सही रहता है और कब्ज नहीं होता। वजन कंट्रोल करें- वजन कम करने से बवासीर का खतरा कम हो जाता है।

सुविचार

अगर जिंदगी में कुछ पाना हो तो तरीके बदलो, इरादे नहीं।
-अज्ञात

नॉलेज

आसमान की परछाई से नीला नहीं दिखता समुद्र, इसकी है वैज्ञानिक वजह

हममें से ज्यादातर लोग जब समुद्र किनारे जाते हैं तो नीले पानी को देखकर हैरान रह जाते हैं। कई लोग मानते हैं कि समुद्र इसलिए नीला दिखता है क्योंकि वह आसमान की नीली परछाई को रिफ्लेक्ट करता है। लेकिन यह धारणा गलत है।

समुद्र के नीले रंग का आसमान से कोई सम्बन्ध नहीं है। इसके पीछे एक दिलचस्प वैज्ञानिक वजह छिपी हुई है जो प्रकाश के व्यवहार और पानी की विशेषताओं से जुड़ी है। सूर्य की रोशनी सफेद दिखती है लेकिन असल में इसमें सात रंगों का स्पेक्ट्रम होता है- लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, गहरा नीला और बैंगनी। इन रंगों की तरंगदैर्ध्य अलग-अलग होती है। लाल रंग की तरंगदैर्ध्य सबसे लंबी होती है जबकि नीले और बैंगनी रंग की सबसे छोटी। जब सूर्य की रोशनी समुद्र के पानी में प्रवेश करती है तो पानी के अणु लंबी तरंगदैर्ध्य वाली रोशनी (लाल, नारंगी और पीली) को तेजी से सोख लेते हैं। ये रंग पानी में गहराई में जाने से पहले ही खत्म हो जाते हैं। वहीं छोटी तरंगदैर्ध्य वाली नीली रोशनी पानी में ज्यादा गहराई तक पहुंच पाती है और पानी के अणुओं तथा छोटे कणों से टकराकर चारों तरफ बिखर जाती है। इसी वजह से जब हम समुद्र की सतह की ओर देखते हैं तो हमारी आंखों तक ज्यादातर नीली रोशनी ही पहुंचती है, इसलिए समुद्र नीला दिखाई देता है।

भ्रमित हो जाते हैं लोग: जितना गहरा और साफ पानी होता है, उतना ही गहरा नीला रंग दिखता है। यह प्रक्रिया आसमान के नीले होने से काफी मिलती-जुलती है। आसमान नीला इसलिए दिखता है क्योंकि वायुमंडल में मौजूद अणु नीली रोशनी को ज्यादा स्कैटर करते हैं (Rayleigh Scattering)। लेकिन समुद्र के मामले में मुख्य वजह पानी द्वारा रंगों का Selecti1e Absorption है, ना कि सिर्फ रिफ्लेक्शन। अगर पानी बहुत कम मात्रा में हो, जैसे गिलास में भरा पानी, तो वह रंगहीन दिखता है क्योंकि रोशनी पूरी तरह से गुजर जाती है और रंग सोखने का मौका नहीं मिलता। लेकिन जब पानी की मोटी परत हो, जैसे समुद्र में, तो रंग सोखने और बिखरने का प्रभाव साफ दिखाई देता है। समुद्र का रंग हर जगह एक समान नहीं होता। अगर पानी में प्लैंकटन, कीचड़, तलछट या अन्य कण ज्यादा हों तो रंग हरा, भूरा या यहां तक कि लाल भी दिख सकता है।

टेक्नो अपडेट

आ गए दुनिया के पहले स्मार्ट ईयररिंग्स कान की बाली ट्रैक करेगी आपकी सेहत

अभी तक आपने सेहत ट्रैक करने वाली स्मार्टवॉच या स्मार्ट रिंग के बारे में सुना होगा लेकिन अब यही काम कान की बालियां भी कर सकेंगी। दरअसल दुनिया की पहली स्मार्ट बालियां या ईयररिंग्स Lumia 2 लॉन्च हो गई हैं। अक्सर देखा गय है कि लोगों को स्मार्टवॉच या स्मार्ट रिंग जैसे डिवाइस पहनना उलझन भरा और भारी भरकम लगता है। इसी कमी को दूर करने के लिए ही लूमिया हेल्थ ने स्मार्ट ईयरिंग्स बनाए हैं। जॉन हॉपकिंस और हार्वर्ड जैसे बड़े संस्थानों के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर तैयार किया गया यह गैजेट किसी कॉफी के बीज जितना छोटा है।

यह न सिर्फ फैशन का हिस्सा है, बल्कि आपकी रगों में बहने वाले खून से लेकर दिल की हर हरकत पर नजर रखता है। इनका वजन मात्र 1 ग्राम है और यह अब तक का सबसे आराम से पहने जा सकने वाला हेल्थ गैजेट है।

लूमिया 2 ईयररिंग्स साइज में भले किसी स्मार्टवॉट या स्मार्ट रिंग से छोटे लगें लेकिन टेक्निकली ये बेहद पावरफुल हैं। इन ईयरिंग्स में लगे सेंसर आपकी नींद, रीरिक गतिविधि, ऑक्सीजन लेवल (SpO2) और यहां तक कि शरीर के तापमान को भी ट्रैक कर सकते हैं। इनका सबसे बड़ा फीचर ब्लड फ्लो को मापना बताया जा रहा है, जिससे कई तरह की बीमारियों का समय रहते पता चल सकता है। इसके अलावा, महिलाएं इसके जरिए मेंस्ट्रुअल साइकिल पर भी नजर रख सकती हैं। स्मार्ट ईयरिंग्स से सारा डेटा फोन की ब्लूटूथ ऐप पर ट्रांसफर हो जाएगा, जिसे फोन पर एक ऐप के जरिए बेहतर तरीके से समझा जा सकता है।

ज्वैलरी जैसा डिजाइन: रिपोर्ट के अनुसार स्मार्ट ईयरिंग्स का डिजाइन बिलकुल ज्वैलरी जैसा है और इसे देखकर अंदाजा लगा पाना मुश्किल है कि यह किसी तरह का गैजेट है। इसके अलावा इसके डिजाइन की खासियत है कि जिनके कानों में छेद नहीं वे भी इसे पहन सकेंगे। इसके अलावा खास स्विचबैक टेक्नोलॉजी की मदद से आप इसे अपनी पुरानी बालियों के साथ भी जोड़ सकते हैं।

कैसे काम करते हैं ईयरिंग्स: ये स्मार्ट ईयरिंगस कान के पीछे मौजूद सेंसर से कलाई की तुलना में कहीं ज्यादा सटीक डेटा देते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां रक्त वाहिकाएं त्वचा के करीब होती हैं और हाथ हिलाने जैसी आम मूवमेंट्स डेटा को प्रभावित नहीं करती। यह गोल्ड, सिल्वर और टाइटेनियम फिनिश में उपलब्ध हैं। लूमिया 2 का सबसे खास फीचर है कि इसकी बैटरी आसानी से बदली जा सकती है। दरअसल, दूसरे हेल्थ गैजेट्स की तरह इन्हें चार्ज करने के लिए कान से उतारने की जरूरत नहीं पड़ती। इनमें से डिस्चार्ज हो चुकी बैटरी को निकाल कर आप दूसरी फुल बैटरी चार्ज पर लगा कते हैं। इनकी एक बैटरी 7 दिनों तक चलती है, जिससे डेटा कैप्चर होना कभी नहीं रुकता।

निशाना

आसमां मिल पाये न..!

दिनेश मालवीय अश्क

कोई कमी नहीं पर कोई कमी तो है
बेसबब बेबात आँखों में नमी तो है।
दुनिया का यह निज़ाम यूँ ही तो न चल रहा
इसको चलाने के लिए कोई कहीं तो है।
आसमां मिल पाए न मिल पाए ग़म नहीं
नाचेंगे यहीं गायेंगे अपनी ज़मीं तो है।
आदमी को और कुछ मानें के न मानें
कुछ न हो वो ना सही पर आदमी तो है।
बज़्म की आराइयां क़ायम तो रहीं अश्क
बज़्मआरा जो नहीं उसकी कमी तो है।

ट्रम्प बोले- डील न की तो और हमले..., होर्मुज में 1500 जहाज फंसे

अमेरिका ने सीजफायर तोड़कर 3 ईरानी टैंकरों पर की बमबारी

● तेहरान

अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर बमबारी की है। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सीजफायर के बीच यह कार्रवाई की। दरअसल, यूएस सेना ने ओमान की खाड़ी में तीन ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। इसमें यूएस जहाजों को नुकसान नहीं पहुंचा। इसके बाद ईरान ने बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि यूएस सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री इलाके से होर्मुज स्ट्रेट की ओर जा रहे तेल टैंकर को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान डील नहीं करता तो हम फिर हमले करेंगे।

सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिकी जंगी जहाजों पर हमला किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच फायरिंग हुई, जिसमें हमने उन्हें बुरी तरह से तबाह कर दिया और उनकी कई छोटी नावों को डुबो दिया। हम उन्हें परमाणु हथियार रखने का अधिकार नहीं देंगे और वे इस बात पर सहमत हो गए हैं। वहीं, यूएन की समुद्री एजेंसी आईएमओ के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगेज ने कहा है कि होर्मुज संकट से खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंसे हैं।

अराघची ने कहा-हमारी मिसाइलें खत्म नहीं हुई

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि तेहरान के मिसाइल भंडार खत्म हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यूएस खुफिया एजेंसी सीआईए की जानकारी गलत है। अराघची ने दावा किया कि ईरान की मिसाइल क्षमता खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हमारा मिसाइल रिजर्व 120 फीसदी पर है। अराघची ने यह भी कहा कि ईरानी जनता की रक्षा के लिए देश की तैयारी 1000 फीसदी है। अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, च्हर बार जब कोई कूटनीतिक समाधान सामने आता है, अमेरिका लापरवाह सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुनता है। चाहे वजह कुछ भी हो, नतीजा एक ही रहता है, ईरानी कभी दबाव में नहीं झुकते।

ईरान ने दो बैलिस्टिक मिसाइल, 3 ड्रोन दागे

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा है कि ईरान ने उसके खिलाफ 2 बैलिस्टिक मिसाइल और 3 ड्रोन दागे हैं। यूएई रक्षा मंत्रालय के मुताबिक एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी मिसाइल और ड्रोन को हवा में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। हमले में 3 लोग घायल हुए हैं। हालांकि घायलों की पहचान और राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया गया है। यूएई का दावा है कि ईरान के हमले शुरू होने के बाद से अब तक उसकी एयर डिफेंस यूनिट्स 551 बैलिस्टिक मिसाइल, 29 क्रूज मिसाइल और 2,263 ड्रोन को इंटरसेप्ट कर चुकी हैं।

भारत बोला-खाड़ी देशों की स्थिति पर रख रहे नजर

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने कहा है कि वह खाड़ी देशों के हालात पर लगातार नजर रख रही है। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (गल्फ) असीम आर. महाजन ने कहा कि सरकार का फोकस खाड़ी और पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और मदद पर है। मंत्रालय के मुताबिक भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों की मदद के लिए स्पेशल कंट्रोल रूम लगातार काम कर रहा है। यहां लोगों की शिकायतों और सवालों का जवाब दिया जा रहा है। विदेश मंत्रालय राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ लगातार संपर्क में है।

दिल्ली में रूसी दूतावास का इम्मॉर्टल रेजिमेंट मार्च

नई दिल्ली, आरएनएन। नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास ने द्वितीय विश्व युद्ध में जीत की वर्षगांठ के मौके पर इम्मॉर्टल रेजिमेंट मार्च आयोजित किया। कार्यक्रम में रूसी राजनयिकों, नागरिकों, भारतीय मेहमानों और छात्रों ने हिस्सा लिया।

द्वितीय विश्व युद्ध विजय दिवस पर सैनिकों को श्रद्धांजलि

मार्च में शामिल लोग युद्ध में हिस्सा लेने वाले सैनिकों और अपने परिवार के सदस्यों की तस्वीरें लेकर निकले। कार्यक्रम का उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों और नागरिकों को श्रद्धांजलि देना था। रूस हर साल 9 मई को विक्ट्री डे यानी विजय दिवस मनाता है।

यह दिन 1945 में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की याद में आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने युद्ध में सोवियत सेना के योगदान और बलिदान को याद किया। कई लोगों ने स्मृति गीत गाए और शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इम्मॉर्टल रेजिमेंट अभियान की शुरुआत 2012 में रूस में हुई थी।

इंडोनेशिया के डुकोनो ज्वालामुखी में ब्लास्ट, 2 विदेशियों समेत 3 की मौत

● जकार्ता

इंडोनेशिया के नॉर्थ हलमहेरा इलाके में स्थित माउंट डुकोनो ज्वालामुखी में शुक्रवार सुबह विस्फोट हो गया। हादसे में 2 विदेशी नागरिकों समेत 3 ट्रैकर्स की मौत हो गई। सभी ट्रैकर्स प्रतिबंधित क्षेत्र में मौजूद थे। पुलिस के मुताबिक ज्वालामुखी फटने के समय कुल 20 ट्रैकर्स पहाड़ पर थे। इनमें 9 सिंगापुर के नागरिक और बाकी इंडोनेशियाई थे।

अब तक 15 लोगों को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं। विस्फोट के बाद ज्वालामुखी से 10 किमी ऊंचाई तक राख और धुएं का गुबार उठा। अधिकारियों ने आसपास के इलाकों में राख गिरने की चेतावनी जारी की है। इंडोनेशिया की ज्वालामुखी निगरानी एजेंसी ने दिसंबर से ही क्रेटर के 4 किलोमीटर दायरे में जाने पर रोक लगा रखी थी। पुलिस का कहना है कि ट्रैकर्स ने चेतावनी बोर्ड और अलर्ट को नजरअंदाज किया। पुलिस ने ट्रैकिंग गाइड और एक पोर्टर को हिरासत में लिया है। दोनों पर प्रतिबंधित इलाके में पर्यटकों को ले जाने का आरोप है। अधिकारियों के मुताबिक मामले में आपराधिक कार्रवाई की जा सकती है।

अमेरिका ने जारी किए यूएफओ दस्तावेज लोग खुद तय करें-एलियन होते हैं या नहीं

● वाशिंगटन

अमेरिका की रक्षा मंत्रालय यानी पेंटागन ने अज्ञात उड़ने वाली वस्तुओं (यूएफओ) से जुड़ी नई फाइलें जारी करना शुरू कर दिया है। पेंटागन ने कहा है कि आम लोगों को इन फाइलों को पढ़कर खुद अपने नतीजे निकालने की पूरी आजादी है। यह एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पेंटागन ने कहा कि पिछली सरकारें यूएफओ से जुड़ी जानकारियों को छिपाने या लोगों को गुमराह करने की कोशिश करती थीं। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार पूरी पारदर्शिता पर जोर दे रही है। लोगों को सच्चाई जानने का अधिकार है, इसलिए ये दस्तावेज जारी किए जा रहे हैं।

पेंटागन ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करके यह जानकारी दी कि अब जनता खुद इन फाइलों को पढ़कर तय करेगी कि इसमें क्या सच्चाई है। यह अभियान सिर्फ पेंटागन तक सीमित नहीं है। इसमें व्हाइट हाउस, नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर, एनर्जी डिपार्टमेंट, नासा और एफबीआई भी शामिल हैं। सभी बड़े संगठन मिलकर यूएफओ से जुड़ी जानकारियां लोगों तक पहुंचा रहे हैं। यह पहली बार है जब बड़े स्तर पर विभिन्न सरकारी विभाग एक साथ यूएफओ फाइलें सार्वजनिक कर रहे हैं। पेंटागन ने बताया कि ये फाइलें एक साथ नहीं, बल्कि अलग-अलग स्टेज में जारी की जाएंगी. यानी आने वाले दिनों और हफ्तों में और भी दस्तावेज जारी होंगे। इनमें पुरानी घटनाओं की रिपोर्ट, वीडियो, तस्वीरें और जांच संबंधी जानकारियां शामिल हो सकती हैं।

क्यों महत्वपूर्ण है यह खुलासा

कई दशकों से यूएफओ को लेकर दुनिया भर में चर्चाएं होती रही हैं। कुछ लोग इन्हें एलियन का जहाज मानते हैं, तो कुछ इन्हें एडवांस विदेशी तकनीक या मौसम संबंधी घटना बताते हैं। अब अमेरिकी सरकार खुद कह रही है कि लोगों को सारी जानकारी दी जाएगी ताकि वे खुद फैसला कर सकें। यह कदम उन लोगों के लिए बड़ी राहत है जो लंबे समय से यूएफओ संबंधी सूचनाओं की मांग कर रहे थे।

जिस जहाज पर हंतावायरस फैला, उस पर 2 भारतीय भी

डॉक्टर बोले, यह कोरोना की तरह तेजी से नहीं फैलता

● प्राया /

अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप एमवी होंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल है, जो सुरक्षित है। यह वही शिप हैं, जिस पर हंतावायरस फैला है। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और 3 लोगों की मौत हो चुकी है। नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है।

उन्होंने बताया कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। डच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनरी आइलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन फिलहाल आम लोगों के लिए खतरा कम है। डॉक्टर वेल्डकैंप ने कहा, ऐसे मामलों में संक्रमित मरीजों को अलग आइसोलेशन रूम में रखा जाता है। ट्रेंड स्टाफ उनकी देखभाल करता है।मरीजों को तब तक आइसोलेशन में रखा जाता है, जब तक उनमें लक्षण दिखाई देते हैं। हालत सुधरने के बाद उनका टेस्ट किया जाता है। अगर रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो आइसोलेशन हटाया जा सकता है।

हंतावायरस से मौतों में एंडीज स्ट्रेन का शक

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक हंतावायरस से हुई तीन मौत के मामलों में एंडीज स्ट्रेन का शक है, जो इंसानों के बीच भी फैल सकता है। एंडीज स्ट्रेन मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका के अर्जेंटीना और चिली में पाया जाता है। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि एंडीज स्ट्रेन बाकी हंतावायरस से अलग है। यह संक्रमित चूहों या उनके मल-मूत्र से तो फैलता ही है, लेकिन कुछ मामलों में इंसान से इंसान में भी फैल सकता है। हालांकि, यह संक्रमण कोरोना जितना तेजी से नहीं फैलता।

मणिपुर में हथियार और विस्फोटक बरामद किए

500 ग्राम विस्फोटक वाला आईईडी बरामद

● इम्फाल /

मणिपुर में सेनापति और चुराचांदपुर जिलों में चलाए गए अलग-अलग अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और सामरिक उपकरण बरामद किये। पुलिस के अनुसार, सुरक्षा बलों ने सेनापति जिले के सेनापति पुलिस थाना अंतर्गत मरेमई-हेंगबुंग पहाड़ी श्रृंखलाओं में एक तलाशी अभियान शुरू किया और वहां से विभिन्न प्रकार के हथियार तथा गोला-बारूद बरामद किये।

बरामद किये गये सामानों में मैगजीन के साथ दो .22 राइफलें, मैगजीन के साथ एक .303 राइफल, मैगजीन के साथ एक एमपी-5 राइफल, मैगजीन के साथ एक ए के-47 राइफल, चार स्थानीय स्तर पर बनी बोल्ट-एक्शन राइफलें, एक स्थानीय निर्मित शॉटगन, मैगजीन के साथ तीन .32 पिस्तौलें और मैगजीन के साथ दो .22 पिस्तौलें शामिल थीं। इसके अलावा, सुरक्षा कर्मियों ने उस क्षेत्र से 13 खाली कारतूस के साथ अलग-अलग क्षमता के 79 कारतूस भी जब्त किये। चुराचांदपुर जिले के चुराचांदपुर पुलिस थाना अंतर्गत हेंगकापकोट क्षेत्र में चलाए गये एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने तीन सिंगल-बैरल राइफलें, एक .303 राइफल और एक पोंपी बंदूक बरामद की।

इस अभियान के दौरान चार रॉकेट शेल, लगभग 500 ग्राम विस्फोटक वाला एक बेलनाकार आईईडी (संशोधित विस्फोटक उपकरण) और करीब चार किलोग्राम वजन वाला एक शंक्वाकार आईईडी भी जब्त किया गया।इसके अतिरिक्त, घटना स्थल से चार बुलेटप्रूफ जैकेट, दो हेलमेट, ए के-47 के सात चले हुये कारतूस, 7.62 मिमी के चार चले हुए कारतूस और एक रेडियो सेट चार्जर भी बरामद किया गया।

पीओके में हाफिज सईद का करीबी टॉप आतंकवादी ढेर

पेशावर, आरएनएन। खैबर पख्तूनख्वा और पीओके में रहस्मय तरीके से लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को लगातार मारा जा रहा है। ऐसा ही मामला खैबर पख्तूनख्वा से सामने आया है। एक अज्ञात बंदूकधारी ने हाफिज सईद के करीब और टॉप लश्कर कमांडर इस्माइल अहमद की हत्या कर दी। इस्माइल लश्कर की कोर कमेटी का हिस्सा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस्माइल अहमद का शव खैबर पख्तूनख्वा के एक सुनसान इलाके में मिला। उसके शरीर पर गोली लगने के निशान थे। हालांकि पाक सरकार या सेना की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक स्टेटमेंट जारी नहीं किया गया है।

भारत-पाक संघर्ष में चीन का कबूलनामा

● बीजिंग

चीन ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने पिछले साल भारत के साथ चार दिवसीय संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को ऑन-साइट तकनीकी सहायता प्रदान की थी। यह खुलासा चीनी सरकारी मीडिया रिपोर्टों में सामने आया है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बहस शुरू हो गई है। चीन के राज्य प्रसारक सीसीटीवी ने गुरुवार को एक इंटरव्यू प्रसारित किया, जिसमें एयरोस्पेस इंडस्ट्री कॉरपोरेशन ऑफ चाइना (एवीआईसी) के चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के इंजीनियर झांग हेंग ने इस दौरान पाकिस्तान को दी गई सहायता का जिक्र किया।

चीन ने पाक को दी मदद

पाक को चीनी लड़ाकू विमानों का समर्थन: रिपोर्ट के अनुसार, झांग हेंग ने कहा कि उन्होंने पिछले साल मई में चार दिवसीय युद्ध के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी सहायता प्रदान की थी। पाकिस्तान की वायुसेना के पास चीन में निर्मित जे-10सीई फाइटर जेट्स का बेड़ा मौजूद है, जिन्हें एवीआईसी की एक सहायक कंपनी द्वारा विकसित किया गया है।

स्टार्मर ने ली पार्टी की हार की जिम्मेदारी

पार्टी नेता और पीएम पद से इस्तीफा देने का स्टार्मर पर बढ़ा दबाव

● लंदन /

ब्रिटिश पीएम केअर स्टार्मर ने शुक्रवार को कहा कि स्थानीय चुनावों में लेबर पार्टी को मिली करारी हार की जिम्मेदारी वह लेते हैं। इन चुनावों में आप्रवासन विरोधी रुख वाली रिफॉर्म यूके पार्टी को बड़ी जीत मिली है। स्टार्मर ने गुरुवार को पूरे ब्रिटेन में हुए स्थानीय परिषदों व स्कॉटलैंड एवं वेल्स की संसदों के चुनावों की मतगणना के दौरान पत्रकारों से कहा कि इस परिणाम से देश की अर्थव्यवस्था के सामने मौजूद चुनौतियों से निपटने के उनके संकल्प में कोई कमी नहीं आएगी।

वेस्टमिंस्टर, साउथेम्प्टन, एक्सेटर, रेडिच, वैंड्सवर्थ, हार्टलपूल, टैमवर्थ और टेमसाइड की कई महत्वपूर्ण परिषदों में द्यलेबर पार्टीद्य का बहुमत छिन जाने के बाद स्टार्मर पर पार्टी नेता और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने का दबाव बढ़ रहा है। स्टार्मर ने कहा कि नतीजे खराब हैं, बहुत खराब हैं और इसे छिपाया नहीं जा सकता।

33 साल बाद परमाणु हथियारों की टेस्टिंग करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) को परमाणु हथियारों की तुरंत टेस्टिंग शुरू करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह टेस्टिंग चीन और रूस के बराबर स्तर पर होनी चाहिए। अमेरिका ने आखिरी बार 1992 में परमाणु हथियार परीक्षण किया था। ट्रम्प ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर लिखा कि दूसरे देशों की टेस्टिंग को देखते हुए उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ वॉर से बराबरी के आधार पर परमाणु हथियारों की टेस्टिंग तुरंत शुरू करने का आदेश दिया है। ट्रम्प ने खासतौर रूस और चीन का नाम लेते हुए कहा कि रूस दूसरे नंबर पर है।

और चीन तीसरे नंबर पर। लेकिन अगले 5 साल में ये बराबरी पर आ सकते हैं।

सफलता

इंसानी शरीर की नकल कर बनाई ऐसी मशीन, जो हवा में मौजूद जहर को बना देगी 'गोल्ड'

धुएं से कमाई का जरिया बनाने वाला सिस्टम खोजा

● नई दिल्ली

ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते प्रदूषण से निपटने की दिशा में नॉर्थवेस्टर्न और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने क्रांतिकारी सफलता हासिल की है। उन्होंने एक ऐसा नया सिस्टम तैयार किया है जो कुदरत के नियमों को चुनौती देता हुआ नजर आता है। यह सिस्टम फैक्ट्रियों और वातावरण से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) को कच्चे माल में बदलने की ताकत रखता है। इस कच्चे माल का इस्तेमाल प्लास्टिक, दवाइयां और कई रोजमर्रा की चीजें बनाने में किया जा सकता है. अब तक सीओ2 को सिर्फ एक समस्या माना जाता था, लेकिन इस नई तकनीक ने इसे कार्बन लेगोस की तरह इस्तेमाल करना सिखा दिया है। इसका मतलब है कि हम कार्बन के टुकड़ों से अपनी मर्जी की कोई भी उपयोगी चीज तैयार कर सकेंगे. यह खोज भविष्य में कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में गेम चेंजर साबित हो सकती है।

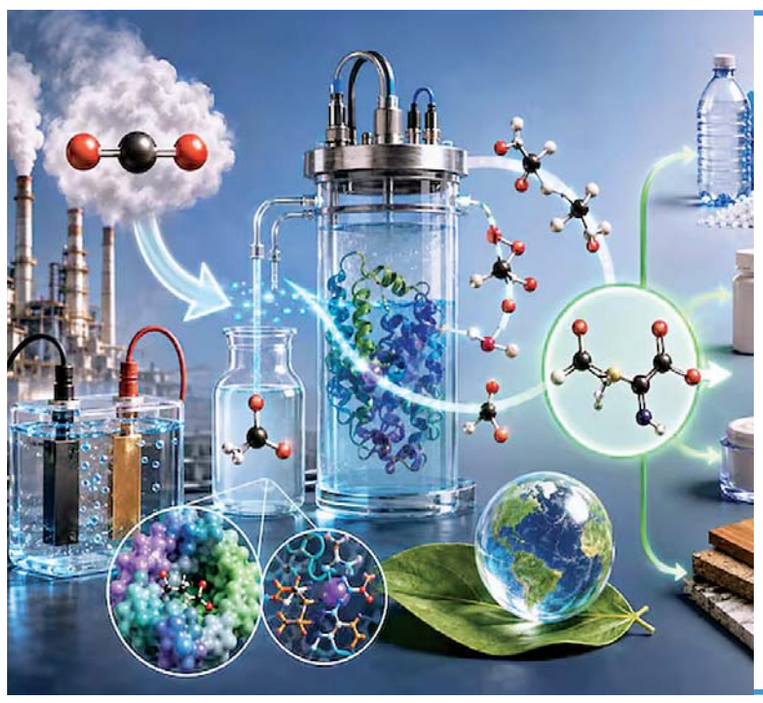

आखिर क्या है यह जादुई रीफॉर्म पाथवे तकनीक

रिसर्चर्स ने इस नए सिस्टम का नाम रिडक्टिव फॉर्मेट पाथवे रखा है जिसे संक्षेप में रीफॉर्म कहा जा रहा है। यह तकनीक जीवित कोशिकाओं (लिड् क्षवग सेल्स) के बाहर सीओ2 को एसिटाइल-सीओए में बदलने का काम करती है। आपको बता दें कि एसिटाइल-सीओए एक बहुत ही महत्वपूर्ण मॉलिक्यूल है. हमारा शरीर भोजन को ऊर्जा में बदलने के लिए इसी मॉलिक्यूल का इस्तेमाल करता है। जब हम कार्बोहाइड्रेट या फैट खाते हैं, तो शरीर उसे इसी फॉर्म में तोड़ देता है। इसके बाद यह कोशिकाओं के अंदर सिट्रिक एसिड साइकिल में जाकर एटीपी यानी ऊर्जा बनाता है। वैज्ञानिकों ने इसी प्राकृतिक प्रक्रिया की नकल की है। उन्होंने लैब में एंजाइम्स और बिजली का इस्तेमाल करके इस प्रक्रिया को अंजाम दिया है। यह पूरा सिस्टम सेल-फ्री यानी बिना किसी जीवित जीव के काम करता है, जिससे इसे कंट्रोल करना बहुत आसान हो जाता है।

100 बरस के हुए वन्य जीव प्रसारक एटनबरो

● लंदन

मशहूर वन्यजीव प्रसारकों में शामिल डेविड एटनबरो शुक्रवार को 100 साल के हो गए। सात दशक से ज्यादा समय तक प्रकृति और पर्यावरण पर काम करने वाले एटनबरो ने कहा कि वे दुनिया भर से मिली शुभकामनाओं से पूरी तरह अभिभूत हैं।

बोले-अपने सौवें जन्मदिन की शुभकामनाओं से अभिभूत हूं...

ब्रिटेन में उनके 100वें जन्मदिन पर बीबीसी ने पूरे हफ्ते विशेष कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इनमें रॉयल अलबर्ट हॉल में लाइव कॉन्सर्ट, संग्रहालय कार्यक्रम, नेचर वॉक और पेड़ लगाने के अभियान शामिल हैं।

बीबीसी द्वारा जारी ऑडियो संदेश में एटनबरो ने कहा कि उन्होंने सोचा था कि वे अपना जन्मदिन शांत तरीके से मनाएंगे, लेकिन दुनिया भर से उन्हें इतनी शुभकामनाएं मिलीं कि वे भावुक हो गए। डेविड एटनबरो पिछले 70 वर्षों से प्रकृति और वन्यजीवों पर फिल्में बना रहे हैं। उनकी आवाज व कहानी कहने की शैली दुनिया भर में पहचान रखती है।

उन्होंने लाइफ ऑन अर्थ, ब्लू प्लैनेट, फ्रोजन प्लैनेट, और डायनेस्टीस जैसी चर्चित डॉक्यूमेंट्री सीरीज बनाई हैं।

1979 में प्रसारित लाइफ ऑन अर्थ ने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई। इसके लिए उन्होंने 3 साल तक दुनिया भर की यात्रा की थी। उनकी 2017 की डॉक्यूमेंट्री ब्लू प्लैनेट 2 ने समुद्र में प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे को दुनिया के समक्ष मजबूती से रखा। इसके बाद ब्रिटेन सरकार व कई कंपनियों ने प्लास्टिक उपयोग कम करने के लिए कदम उठाए थे।

राजस्थान, गुजरात के पास टॉप-3 में आने का मौका आज

आईपीएल : दिल्ली प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर, कोलकाता ने पीछे छोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल में 7वीं हार मिली। कोलकाता नाइट राइडर्स ने उसे 8 विकेट से हराया। इस हार से दिल्ली प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो गई है। दूसरी ओर कोलकाता ने अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं। अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। दिल्ली ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 142 रन बनाए। कोलकाता ने 143 रन का टारगेट 14.2 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। फिन एलन ने नाबाद 100 रन बनाए।

कोलकाता ने लगातार चौथी जीत हासिल की। कैपिटल्स को सीजन में सातवीं हार मिली है। कोलकाता के 10 मैचों में 9 अंक हैं। टीम ने 4 मैच जीते और 5 गंवाए हैं। टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद कायम है। हालांकि, उसे बाकी सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। साथ ही अन्य टीमों के प्रदर्शन पर भी निर्भर रहना होगा।

दिल्ली 11 में से सिर्फ 4 मैच जीत सकी है। टीम के पास 8 अंक हैं और अब वह अधिकतम 14 अंक तक पहुंच सकती है। पिछले चार आईपीएल सीजन में सिर्फ एक बार कोई टीम 14 अंक लेकर प्लेऑफ में पहुंची है। ऐसा 2024 सीजन में हुआ था। 2022, 2023 और 2025 में चौथे प्लेऑफ

की सभी टीमों ने कम से कम 16 पॉइंट्स हासिल किए थे।

राजस्थान के पास टॉप-4 की रेस में मजबूत पकड़ बनाने का मौका

राजस्थान रॉयल्स ने 10 मैचों में 12 पॉइंट्स हासिल किए हैं। टीम के लिए अब हर मुकाबला करो या मरो जैसा है। प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए उसे बाकी चार में से कम से कम 3 मैच जीतने होंगे। गुजरात के खिलाफ जीत से टीम की टॉप-4 की उम्मीद मजबूत होगी। हार मिलने पर राह मुश्किल हो सकती है। गुजरात टाइटंस के 10 मैचों में 12 अंक हैं। टीम के लिए बाकी चार मैच प्लेऑफ के लिहाज से अहम हैं। राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद, कोलकाता नाइटराइडर्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ ज्यादातर मैच जीतने पर उसका टॉप-4 में पहुंचना लगभग तय हो सकता है। हार मिलने पर नेट रनरेट भी अहम रहेगा।

ऑरेंज कैप के टॉप-3 पोजिशन में कोई बदलाव नहीं

सीजन के 51 मैचों के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासन 11 मैचों में 494 रन बनाकर ऑरेंज कैप लीडरबोर्ड में टॉप पर हैं। उनके साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे और दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 468 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दिल्ली-कोलकाता मैच के बाद पर्पल कैप के टॉप-3 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

जीत की हैट्रिक लगा चुकी टाइटंस के पास रॉयल्स को पीछे छोड़ने का मौका

आज राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा। मैच राजस्थान के होम ग्राउंड जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से होगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस के पास पॉइंट टेबल में राजस्थान को पीछे छोड़ने का मौका है। दोनों टीमों के 10 मैचों में 6 जीत और 4 हार के साथ 12-12 अंक हैं, लेकिन बेहतर नेट रनरेट के कारण राजस्थान चौथे और गुजरात पांचवें स्थान पर है। गुजरात पिछले तीन मैच लगातार जीतकर शानदार लय में है। वहीं, रियान पराग की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स पिछले पांच में से तीन मैच हार चुकी है। दोनों टीमों के बीच अब तक 9 मैच खेले गए हैं। दोनों टीमों ने पिछले सीजन में दोनों ने एक-एक मैच जीता था। इस सीजन में यह दूसरा मुकाबला है। अहमदाबाद में खेले गए पहले मैच में राजस्थान 6 रन से जीता था। राजस्थान रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता गेंदबाजी है। पिछले दो मैचों में टीम 220 से ज्यादा का स्कोर बनाने के बावजूद उसे डिफेंड नहीं कर सकी।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के क्वार्टर फाइनल में भारत

लेबनान को 4-0 से हराया

नईदिल्ली, एजेंसी

अंडर-17 भारतीय महिला फुटबॉल टीम पहली बार एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 के क्वार्टरफाइनल में पहुंची है। चीन के सूझोऊ में खेले गए आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने लेबनान को 4-0 से हराया। प्रीतिका बर्मन ने दो गोल किए, जबकि अल्वा देवी संजम और जोया ने एक-एक गोल दागा। भारत ने ग्रुप स्टेज 3 अंकों के साथ खत्म किया और थाईलैंड के साथ बेस्ट थर्ड प्लेस टीम के तौर पर अंतिम आठ में जगह बनाई।

भारत ने शुरुआत से ही लेबनान पर दबाव बनाए रखा। छठे मिनट में दिव्यानी लिंडा के लॉन्ग पास पर प्रीतिका बर्मन ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 35वें मिनट में अल्वा देवी संजम ने स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भारत ने दो और गोल कर लेबनान की वापसी के रास्ते बंद कर दिए। भारतीय महिला फुटबॉल के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। 2004 में स्थगित अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के बाद पहली बार भारत की किसी महिला टीम ने एशियन कप के नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई है। वहीं, 2018 में अंडर-16 पुरुष टीम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद यह किसी भी भारतीय टीम का पहला नॉकआउट है। सोमवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला मेजबान चीन से होगा। चीन ग्रुप में तीनों मैच जीतकर 9 अंकों के साथ टॉप पर रहा। मैच सूझोऊ स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में खेला जाएगा। चीन टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक है, इसलिए भारत के लिए यह मुकाबला कड़ी चुनौती होगा। अगर भारत सोमवार को चीन को हराता है, तो टीम सीधे मोरक्को में होने वाले अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लेगी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

साई पल्लवी @ 34 : लव लेटर मिलने पर मार पड़ी, फिल्म ऑफर करने वाले को समझा स्टॉकर

इंडियन सिनेमा की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक रामायण में माता सीता के किरदार में नजर आने वालीं साई पल्लवी आज 34 साल की हो चुकी हैं। साई पल्लवी कभी एक डांस रियलिटी शो की आम सी कंटेस्टेंट हुआ करती थीं। बचपन में वो कंगना रनोट की फिल्म में बतौर जूनियर आर्टिस्ट भी नजर आईं। आज अपने हुनर और सादगी से साई पल्लवी साउथ की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल हैं। उनके जन्मदिन के खास मौके पर एक नजर उनके बचपन, करियर और बेहतरीन किस्सों पर...

साई पल्लवी का जन्म तमिलनाडु के कोएम्बटूर में हुआ। पिता एक्साइज ऑफिसर और एक फुटबॉल प्लेयर थे और मां राधा एक डांसर थीं। बचपन में साई भी अच्छी बैडमिंटन प्लेयर थीं। साई महज 13 साल की उम्र में फिल्म कस्तूरी मान (2005) में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने 2008 की तमिल फिल्म धाम धूम में बतौर जूनियर आर्टिस्ट काम किया। वो उस वक्त छठी क्लास में थीं। इस फिल्म से कंगना रनोट ने तमिल सिनेमा में डेब्यू किया था। मां के नक्शेकदम पर चलते साई को डांस में रुचि होने लगी। टीनएज में उन्होंने तमिल डांस शो उंगालिल यार उधुता प्रभु देवा (कौन बनेगा अगला प्रभू देवा) (2008) में हिस्सा लिया। शो के एक एपिसोड में सामंथा रुथप्रभू साई के डांस से इंप्रेस हुई थीं और जमकर तारीफ की थी। तब से ही साई को थोड़ी-बहुत पहचान मिलने लगी। कौन बनेगा अगला प्रभू देवा में अगर साई फाइनलिस्ट होतीं, तो उन्हें प्रभू देवा से मिलने का मौका मिलता, लेकिन सेमी फिनाले में ही शो से बाहर होने पर वो प्रभु देवा से नहीं मिल सकीं। लेकिन संयोग से सालों बाद प्रभू देवा ने उनके लिए डांस कोरियोग्राफ किया, जिसने बड़ा रिकॉर्ड कायम किया। साई वो डांस रियलिटी शो तो नहीं जीत सकीं, लेकिन उनकी परफॉर्मेंस सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई। उस समय साउथ के डायरेक्टर अल्फोंस पुथ्रेन अपनी एक फिल्म के लिए नए चेहरे की तलाश में थे कि तभी एक दिन फेसबुक पर उनकी नजर एक डांस वीडियो पर पड़ी। वो वीडियो साई पल्लवी के डांस क्लिप का था। उन्हें साई इतनी पसंद आई कि वो जैसे-तैसे उनका नंबर ढूंढने लगे। एक रोज कॉल कर अल्फोंस ने साई को फिल्म ऑफर कर दी। शौकिया

तौर पर डांस रियलिटी शो करने वालीं साई को असल में डॉक्टर बनना था। उनकी एक कजिन डॉक्टरी पढ़ने जॉर्जिया जा रही थी, तो साई ने भी वहीं एडमिशन ले लिया। यही वजह रही कि उन्होंने डायरेक्टर अल्फोंस की फिल्म भी ठुकरा दी। साई छुट्टियों में भारत आती थीं और बाकी समय जॉर्जिया में रहती थीं। साउथ रिपोर्ट्स के मुताबिक, साई शुरुआत में जॉर्जिया नहीं जाना चाहती थीं, तब उनकी मां ने कहा था कि अगर वो नहीं गईं, तो उनकी कजिन वहां गोरी हो जाएंगी, अच्छी अंग्रेजी सीखेंगी और उन्हें अच्छे रिश्ते भी मिलेंगे। इसी लालच में मां ने उन्हें जॉर्जिया जाने के लिए राजी किया। जब साई के फाइनल ईयर के एग्जाम नजदीक आए तो वो पढ़ाई पर फोकस करने के लिए कोएम्बटूर आ गईं। ये वही समय था, 6 साल पहले साई को फिल्म ऑफर करने वाले डायरेक्टर अल्फोंस ने फिल्म प्रेमम शुरू की। इस फिल्म में वो असिन को कास्ट करना चाहते थे, लेकिन फिर मलयाली बोलने वाली एक्ट्रेस की चाह में उन्होंने असिन का नाम ड्रॉप कर दिया।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारत दौरे पर आएगी ऑस्ट्रेलिया की टीम

नईदिल्ली, एजेंसी

अगले साल जनवरी में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया की 'ए' टीम भारत का दौरा करेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बुधवार को शेड्यूल जारी किया, जिसके मुताबिक ऑस्ट्रेलिया 'ए' की टीम सितंबर और अक्टूबर में भारत के खिलाफ दो 4-दिवसीय मैच और तीन 50-ओवर के मैच खेलेगी।

ये सभी मुकाबले पुडुचेरी में आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया की महिला 'ए' टीम और पुरुषों की अंडर-19 टीम भी अलग-अलग सीरीज के लिए भारत आएगी। अगले साल 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होने वाली 5 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले यह दौरा ऑस्ट्रेलिया के लिए काफी अहम है। पिछले साल भी ऑस्ट्रेलिया ने भारत का दौरा किया था, जहां सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी और टॉड मर्फी जैसे खिलाड़ियों को भारतीय परिस्थितियों में खेलने का मौका मिला था। कोंस्टास ने पिछले दौरे के पहले मैच में शतक लगाया था, वहीं मैकस्वीनी ने 74 और नाबाद 85 रनों की पारियां खेली थीं।

महिला और अंडर-19 टीमें भी खेलेंगी सीरीज

बीसीसीआई ने सिर्फ मेंस टीम ही नहीं, बल्कि महिला ए और अंडर-19 टीमों के दौरे की भी पुष्टि की है। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम 2018 के बाद पहली बार भारत में मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। वे मोहाली में 2 टी20 और धर्मशाला में तीन वनडे और एक 4-दिवसीय मैच खेलेंगी। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत की अंडर-19 टीम राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। इसमें भारत के 15 साल के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी पर सबकी नजरें होंगी।

दिलजीत बोले- राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं

पोस्ट शेयर कर अफवाहों का खंडन किया, कहा- म्यूजिक और फिल्मों पर ही पूरा फोकस रहेगा

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने राजनीति में आने की खबरों पर सोशल मीडिया के जरिए सफाई दी है। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चाएं चल रही थीं कि दिलजीत पंजाब की राजनीति में एंट्री कर सकते हैं। अब उन्होंने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। दिलजीत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'कदे वी नहीं।' यानी उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने साफ किया कि वे सिर्फ एक कलाकार हैं और उनका फोकस म्यूजिक, फिल्मों और एंटरटेनमेंट पर ही है।

दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर दिलजीत को लेकर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। इसकी वजह यह थी कि वे लगातार इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर पंजाब और पंजाबी संस्कृति को प्रमोट करते नजर आ रहे हैं। कई यूजर्स उन्हें पंजाब की नई आवाज और संभावित राजनीतिक चेहरा बताने लगे थे। दिलजीत दोसांझ को दूसरा थलापति विजय कहने लगे। हालांकि दिलजीत ने अपने पोस्ट के जरिए साफ कर दिया कि वे राजनीति से दूर ही रहना चाहते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उनका पूरा ध्यान अपने काम और फैंस को एंटरटेन करने पर है।

दिलजीत इससे पहले भी कई मुद्दों पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी राय रखते रहे हैं। हाल के महीनों में वे पंजाब, पंजाबी भाषा और संस्कृति को लेकर खुलकर बात करते नजर आए थे। यही वजह रही कि सोशल मीडिया पर उनके राजनीति में आने को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो दिलजीत इन दिनों अपने म्यूजिक टूर और अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। वे लगातार इंटरनेशनल कॉन्सर्ट्स कर रहे हैं और पंजाबी म्यूजिक को ग्लोबल लेवल पर पहचान दिलाने में जुटे हैं।

उर्वशी रौतेला ने विराट कोहली को बताया अपना जीजू!

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला आईपीएल में विराट कोहली की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को सपोर्ट कर रही हैं। साथ ही उन्होंने विराट कोहली को अपना जीजू बताया। मिस मालिनी को दिए इंटरव्यू में उर्वशी ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'हमारे तो जीजू हैं, विराट कोहली। फिर हम आपको सपोर्ट क्यों नहीं करेंगे? बिल्कुल करेंगे।' जब

उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें क्रिकेट देखने का समय मिलता है, तो उर्वशी ने कहा कि वह ज्यादा मैच नहीं देख पातीं, लेकिन आईपीएल के सेमीफाइनल और फाइनल को लेकर काफी एक्साइटेड रहती हैं। वहीं आरसीबी के इस साल ट्रॉफी जीतने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'क्यों नहीं?' इंटरव्यू के दौरान उर्वशी ने यह भी बताया कि विराट कोहली के साथ एक ऐड शूट करना था, लेकिन वह हो नहीं पाया था।

आईपीएल 2026 की पॉइंट्स टेबल में डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी तीसरे स्थान पर है। टीम ने अब तक खेले गए 10 मैचों में से 6 जीते हैं और 4 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

इंस्पेक्टर अविनाश 2 में दिखेंगी उर्वशी: वर्क फ्रंट की बात करें तो उर्वशी जल्द वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इसमें वह रणदीप हुड्डा की पत्नी पूनम मिश्रा के रोल में दिखेंगी। फिल्मों की बात करें तो उर्वशी जल्द अक्षय कुमार स्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी। फिल्म 26 जून को रिलीज होगी। वहीं, उन्हें बड़े पर्दे पर आखिरी बार तेलुगु फिल्म डाकू महाराज में देखा

अमीषा पटेल ने बॉलीवुड के 'फेक PRÓ पर तंज कसा

कहा- 2 फिल्में करने से कोई स्टार नहीं बनता; फिल्म गदर 3 भी कन्फर्म की

एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने बॉलीवुड में बढ़ते क्क कल्चर और नई पीढ़ी के स्टार्स पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया पर कई पोस्ट शेयर किए।

शनिवार को ङ्क पर अमीषा ने सबसे पहले नेगेटिव कंटेंट बनाने वाले यूट्यूबर्स को लेकर लिखा, %कभी भी उन कुछ नेगेटिव यूट्यूबर्स की बातों से दुखी या परेशान मत होइए, जो हर सुबह स्टार्स की आलोचना और नेगेटिव बातें करने के लिए उठते हैं। हम स्टार्स को उनसे परेशान होने के बजाय उनके लिए खुश होना

चाहिए। आखिर हमारी बुराई करके ही उनका घर चल रहा है। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।%

इसके बाद अमीषा ने दूसरे ट्वीट में लिखा, 'खुद को सुपरस्टार तभी कहिए, जब आपने ऐसा काम किया हो, जिसने इतिहास बनाया हो और बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाया हो। उससे पहले खुद को सुपरस्टार कहलवाने के लिए क्क गेम खेलना बंद कीजिए। सॉरी, लेकिन यही कड़वी सच्चाई है।'

दो एवरेज फिल्मों से स्टार नहीं बनतेः अमीषा

अगले ट्वीट में अमीषा ने लिखा, 'कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने आज तक अपने करियर में एक भी सोलो ब्लॉकबस्टर नहीं दी, फिर भी खुद को स्टार कहती हैं। साल में 2 एवरेज फिल्में करने और कुछ शूटिंग सेट्स पर मौजूद रहने से कोई स्टार नहीं बन जाता। उससे आप सिर्फ एक एक्टर बनते हैं, जो किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा होता है।'

कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के जनहित ऐसी कार्यों का समर्थन विभिन्न राजनीतिक संगठन पत्रकारों एवं अन्य दल के लोग एकत्रित होकर मुख्यमंत्री के नाम सोपे ज्ञापन

सामाजिक संगठन एवं पत्रकारों ने संगठित होकर पहले कमिश्नर फिर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम सौंप गए ज्ञापन

कमिश्नर एवं कलेक्टर से धरना प्रदर्शन में शामिल हुए कर्मचारियों अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

रीवा। रीवा जनहितैषी कार्यों एवं चरमराई हुई व्यवस्था पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में व्याप्त चौतरफा भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारी कर्मचारीके मामले में सख्त रुखकलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के कार्यों का विरोध धरना प्रदर्शन करने वाले अधिकारी कर्मचारी यों ने जो आरोप प्रत्यारोप लगाया गया है और कलेक्टर की शिकायत कमिश्नर से धरना प्रदर्शन करने के पश्चात मानसिक रूप से प्रताड़ित करने संबंधी ज्ञापन देकर कमिश्नर से कलेक्टर के ऊपर अंकुश लगाने एवं कार्यवाही के मांग करने वाले कर्मचारी अधिकारी के खिलाफ विभिन्न सामाजिक संगठन पत्रकारों एवं अन्य राजनीतिक दलों ने कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के जनहितैषी कार्यों के समर्थन में जलवा जुलूस के साथ कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री का नाम ज्ञापन सोपा है और सौंप गए ज्ञापन में भ्रष्ट अधिकारी कर्मचारी पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के उन लोगों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई है जो कलेक्टर के कार्यों का विरोध कर कार्यालय में समय से ना आना मामलों का निराकरण न करना मोटी रकम लेकर फाइल दवा देना नौकरी कम नेतागिरी में रुचि अधिक लेने वाले की संख्या 50 से 60 रही है भ्रष्टाचार के जनक लंबे समय से जिला पंचायत और जनपद में अंगद की तरह पर जमा कर भ्रष्टाचार को विकास की ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य का खुलासा कलेक्टर के समीक्षा बैठक में होने के बाद कड़ा रुख बनाते हुए अल्टीमेटम दिये जाने के बाद ऐसा भ्रष्टाचारी कर्मचारी और अधिकारियों में बवाल मच गया और कलेक्टर की ही शिकायत करने कमिश्नर के यहां पहुंच गए ऐसे अधिकारी और कर्मचारी के विरुद्ध सौंप गए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन में कार्यवाही करते हुए बर्खास्त किए जाने की मांग विभिन्न सामाजिक संगठन और पत्रकारों ने किया है साथ ही यह भी कलेक्टर से सूर्यवंशी से मांग की गई है कि इनके चल अचल संपत भ्रष्टाचार घोटाले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए निश्चित तौर पर कलेक्टर के कड़े रुक से बौखलाए पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के अधिकारी कर्मचारी लाम बंद होकर कलेक्टर के ऊपर दबाव बनाने की नीयत से ताकि भ्रष्टाचार उजागर ना हो को कुचक्र और साजिश रच गया जिसका जवाब 24 घंटे के अंदर विभिन्न सामाजिक संगठन के पदाधिकारी कार्यकर्ता पत्रकारों एवं अन्य समुदाय के साथ आम नागरिकों ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए जिन भ्रष्टाचारी अधिकारी और कर्मचारियों ने कलेक्टर के कार्यों को विरोध कर कलेक्टर को चुनौती देने और दबाव बनाकर भ्रष्टाचार की फाइल ना खुले इस मामले को रीवा की जनता कलेक्टर के इस सराहनीय कार्य का खुल्लम-खुल्ला समर्थन करने के लिए मैदान में उतर पड़ी है

कमिश्नर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने के बाद कलेक्टर को सौंप गए ज्ञापन की प्रतिलिपि उपलब्ध करवरकर कार्रवाई की मांग की

पंचायत एवं ग्रामीण विकास जिला पंचायत के साथ जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत में जिस कदर चौतारफा भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले कर्मचारी अधिकारी जनहितैषी कलेक्टर के कार्यों कुछ चुनौती देने एवं दबाव बनाने का योजना पद्य तरीके से धरना प्रदर्शन देकर कमिश्नर को ज्ञापन सौंप कर कलेक्टर की शिकायत की उसका जवाब 24 घंटे के अंदर विभिन्न राजनीतिक संगठन राजनीतिक दल एवं पत्रकारों आम नागरिकों के साथ एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देने के बाद सौंप गए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन की प्रतिलिपि कलेक्टर कार्यालय एक तकनीक मंडल पहुंचकर कलेक्टर से अनौपचारिक मुलाकात कर चर्चा उपरांत कहां पर गए ज्ञापन के प्रतिलिपि उपलब्ध कराकर कलेक्टर के समर्थन में रीवा की जनता भ्रष्टाचारियों की मसूड़े में पानी फेरने एवं कलेक्टर के कार्यों का रीवा की जनता का चौतरफा समर्थन मिल रहा है कलेक्टर के इस कार्यवाही से जनता जनार्दन राहत की सांस लंबे समय बाद मिला है वर्षों से लटकी मामलों का त्वरित निराकरण हो रहे हैं मुख्यमंत्री के नाम सौंप गए ज्ञापन में प्रमुख रूप से वरिष्ठ समाज से भी शिवानंद द्विवेदी प्रमोद शर्मा पत्रकार विकास परिषद के राष्ट्रीय संयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र तिवारी अनिल उपकारी धीरेंद्र सिंह सुनील सोनी राजकुमार गुप्ता डॉक्टर विष्णु देव कुशवाहा बृजेश वर्मा कुमेंद्र सिंह सुरेश मिश्रा राकेश शुक्ला बृजमोहन मिश्रा रामाधार गौतम राजेश गुप्ता विजय नामदेव श्याम लाल द्विवेदी अनिल त्रिपाठी विजय वर्मा रामकुमार शर्मा राकेश शर्मा भोले शंकर पांडे दिवाकर तिवारी पुष्पेंद्र मिश्रा शंखधर द्विवेदी गौरी शंकर शर्मा शीतल द्विवेदी कृपा शंकर मिश्रा धनपत चौरसिया विमलेश दुबे योगेंद्र चौबे पप्पू कनौजिया नरेंद्र पटेल आनंद द्विवेदीसहित अन्य लोग मौजूद रहे

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग शोध संस्थान निर्माण हेतु पांचवी तैयारी बैठक संपन्न

रीवा

-आज दिनांक 8 मई को राज पैलेस पुराने बस स्टैंड के पास राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग शोध संस्थान निर्माण हेतु पांचवी तैयारी बैठक संपन्न हुई जिसमें आयोजन समिति के पिछड़े वर्ग के सभी लोगों ने सर्वे सर्वसम्मत से राजेश कुशवाहा उर्फ बबलू भैया को आयोजन समिति ने आयोजन समिति संयोजक बनाए जाने हैं प्रस्ताव पारित किया एवं बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिशा निर्देश दिए गए तथा दो दिवसीय अधिवेशन को संपन्न कराने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई बैठक में उपस्थित सभी ओबीसी के साथियों ने तन मन धन से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संकल्प लिया प्रमुख रूप से उपस्थित राकेश यादव पुष्पराज सिंह ,डॉ रजनीश पप्पू कनौजिया, डायमंड, ओबीसी दिनेश, एडवोकेट सिंह दिनेश, डायमंड ,ओबीसी दिनेश एडवोकेट पुष्पेंद्र सिंह ,संतकुमार पटेल किसान नेता इंद्रजीत सिंह, छोटे लाल रजक मूलनिवासी पुष्पेंद्र पटेल ,छात्र नेता अमन सिंह, राजेश पटेल, राजकुमार पटेल, जितेंद्र सिंह, डॉ वि पी सिंह बीपी नामदेव।

श्याम सुंदर पटेल जैसे समाजसेवी संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणा पुंज है- सुभाष श्रीवास्तव

रीवा ! इस संसार में जो कोई आया है वो निसंदेह एक ना दिन जाएगा लेकिन व्यक्ति के ना रहने के बाद सिर्फ उन्हें याद किया जाता है जिन्होंने अपना जीवन अपने लिए नहीं वरन पूरे समाज के लिए जिया हो और ऐसे ही लोग समाज में अमर हो जाते है! मृत्यु के 53 साल बाद भी स्वर्गीय श्याम सुंदर पटेल को आज हम सब इसलिए याद कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने अपना जीवन अपने लिए नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए जिया! पत्रकारिता जगत एवं समाज सेवा के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित किया! ऐसे लोग कभी मरते नहीं है वो हम सब की स्मृतियों में, हम सबके संस्मरणों में सदैव जीवित रहते है! इसलिए स्वर्गीय श्याम सुंदर पटेल कभी मरेंगे नहीं हमारी यादों में हमेशा जीवित रहेंगे! उक्त आशय के विचार वरिष्ठ समाज सेवी, मीसाबंदी एवं साहित्यकार सुभाष श्रीवास्तव ने वरिष्ठ पत्रकार, समाजसेवी स्व. श्याम सुंदर पटेल की 53 पर पुण्यतिथि पर सामाजिक वैचारिक कार्यक्रमों हेतु निर्मित श्री श्यामसुन्दर पटेल विचार मंच के तत्वावधान में बांसघाट वार्ड 6 में आयोजित व्याख्यान माला में मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित किए! कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्र सेवा दल के प्रमुख बृहस्पति सिंह ने की! जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला नेत्री शकुंतला मिश्रा, सपाक्स के अध्यक्ष इंजी. देवेंद्र सिंह, वरिष्ठ शायर रफीक रिवानी, पत्रकार मुकुंद प्रसाद मिश्रा, समाजसेवी संजय सिंह, कवि राम लखन केवट जलेश एवं कवि जानकी प्रसाद पाण्डेय उपस्थित रहे! कार्यक्रम का आयोजन समिति के अध्यक्ष विनोद पटेल एवं संचालन युवा समाजसेवी सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने किया! कार्यक्रम के प्रारम्भ में सर्वप्रथम समस्त अतिथियों द्वारा स्व. श्याम सुंदर पटेल के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्पण किया गया! तत्पश्चात कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं बृहस्पति सिंह ने कहा कि स्वर्गीय श्यामसुंदर पटेल को याद करना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है क्योंकि जो लोग समाज के लिए अपना जीवन आहुत करते हैं उनके त्याग और समर्पण की गाथा नई पीढ़ी को बताना आवश्यक है!

वरिष्ठ शायर रफीक रिवानी ने स्व. श्याम सुंदर पटेल को श्रद्धांजलि इन पंक्तियों में दी-

बहुत से लोग रहते है, मगर शर्मिंदा रहते है! बहुत से लोग चलते फिरते है पर मुर्दा रहते है! बहुत से लोग जिन्दा रह के भी जिन्दा नहीं रहते, बहुत से लोग मर जाते है फिर भी जिन्दा रहते है!

व्याख्यान माला कार्यक्रम के अन्य विशिष्ट अतिथियों ने कहा कि आज जब समाज सेवा के मायने बदल रहे हैं, लोग धन कमा करके और फिर समाज सेवी बन रहे है, ऐसे लोगों को स्वर्गीय श्याम सुंदर पटेल के जीवन से सीख लेनी चाहिए कि समाज सेवा क्या होती है, ईमानदारी के साथ बिना धन कमाए! वास्तव में समाज सेवा धर्म होती है जिसे आजकल के लोग धंधा बना लिए है! इसलिए स्वर्गीय श्यामसुंदर पटेल की पुण्यतिथि पर आयोजित इस तरह का कार्यक्रम वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है!

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के जिन महत्वपूर्ण लोगों ने अपने वक्तव्य एवं कविताओं के माध्यम से स्व. पटेल को अपनी भावांजलि अर्पित की उनमें प्रमुख रूप से समाजसेवी सुरेश विश्नोई, समाजवादी नेता नत्थू लाल सेन, समाजसेवी दुर्गेश दुबे, महिला नेत्री राजकली पटेल, समाजसेवी शोभनाथ गुप्ता, पत्रकार द्वय संतोष नामदेव एवं सुरेन्द्र नामदेव, युवा एकता कल्याण संघ के अध्यक्ष राजराखन पटेल एवं सामाजिक कार्यकर्ता परिवर्तन पटेल शामिल है!

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिवम सिंह, अरविन्द पटेल, वर्धमान निगम, बी.के. पांडेय, जोखूलाल पटेल, वाल्मीक पटेल, रवीन्द्र पटेल, बालेन्दु पटेल, रामलोटन पटेल, राम चरित पटेल, अशोक पाण्डेय, रामलखन पटेल, साधना पटेल एवं पिन्टू पटेल सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे! आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के आयोजक विनोद पटेल ने किया!

कलेक्टर ने सकरवट गांव में लगाई ग्राम चौपाल

जमीन में बैठकर ग्रामवासियों की सुनी समस्याएं

रीवा । कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने रीवा जनपद के ग्राम सकरवट में देर शाम ग्राम चौपाल लगाई तथा जमीन में बैठकर ग्रामवासियों की समस्याएं सुनीं। ग्रामवासियों ने भी अपनत्व भाव से कलेक्टर को एक-एक कर गांव की समस्याएं बताईं जिनका कलेक्टर ने समाधान कारक निराकरण करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेने व जमीनी हकीकत को परखने के लिए सीधे संवाद करने मैं आपके गांव आया हूँ। आप बेहिचक अपनी सभी समस्याएं बता सकते हैं ताकि गांव में संचालित विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों का समुचित ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जा सके और लोगों को इनका लाभ मिल सके।

ग्राम चौपाल कार्यक्रम में सकरवट के रहवासियों ने गांव में सड़क की समुचित व्यवस्था न होने की ओर कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट किया तथा कहा कि राजस्व रिकार्ड में सड़कों को दर्ज कराया जाए साथ ही सुमेदा तक सड़क निर्माण करा दिया जाए। उन्होंने गांव की मुख्य सड़क को खोदकर अवरोध पैदा करने के कारण हो रही समस्याओं की ओर कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट किया। ग्रामवासियों ने ट्रांसफार्मर का सुधार कराने, बनकुइयाँ बांध का सुधार कराने तथा खेल मैदान के लिए भूमि उपलब्धता की मांग भी रखी। गांव वासियों ने आंगनवाड़ी के नियमित नहीं खुलने की भी बात कलेक्टर से कही तथा गांव में दो अन्य आंगनवाड़ी केन्द्र खोले जाने की मांग की। ग्रामवासियों ने गांव में पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध कलेक्टर से किया। कलेक्टर ने ग्रामवासियों को आश्वस्त करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी के नियमित संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका की उपस्थिति नियमित करें तथा आशा कार्यकर्ता भी अपना कार्य ठीक ढंग से करें। उन्होंने विद्यालय में शौचालय का सुधार कार्य तत्काल कराने के निर्देश दिए।

ग्राम चौपाल में कलेक्टर ने स्थानीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्र से मध्यान्ह भोजन प्राप्त होने तथा कक्षाओं के नियमित संचालन की बात पूछी। विद्यार्थी ने बेहिचक कलेक्टर के सवालों का जवाब दिया। उसकी बात से प्रभावित होते हुए कलेक्टर ने कहा कि रीवा की धरती विद्वानों की धरती है।

उन्होंने सकरवट ग्राम में जल आपूर्ति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। लोगों ने बताया कि शासकीय हैण्डपंप में स्थानीयजनों ने मोटर डाल रखी है। जिस पर कलेक्टर ने कहा कि अब यह मोटर शासकीय होगी और सभी को इससे पानी मिलेगा। उन्होंने पीएचई के अधिकारियों को 15 जून तक नलजल योजना के माध्यम से घर-घर पानी पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गांव में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर उपयुक्त जमीन में खेल मैदान बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने गांववासियों से अपील की कि वह स्वयं एवं अपने बच्चों व युवाओं को नशे से दूर रखें। किसान बंधु फार्मर रजिस्ट्री कराएं और शासन की योजनाओं का लाभ लें। कलेक्टर ने पेंशन योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाए जाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

उत्कृष्ट कार्य करने पर मिला सम्मान

मऊगंज भारतीय रेड ास सोसाइटी मध्यप्रदेश राज्य शाखा भोपाल में बिश्व रेड ॉस दिवस समारोह में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी बिभाग के विज्ञान भवन में मान्यनीय मंगू भाई पटेल राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ द्यजिसमे सूर्यमणि शुक्ल राज्य प्रबंध समिति सदस्य के नेतृत्व में प्रमोद कुमार सिंह कोषाध्यक्ष मऊगंज जिला शाखा उमाशंकर त्रिपाठी चेयरमेन नईगढ़ी विनीत शुक्ला मऊगंज सम्मिलित हुए मान्यनीय महामहिम द्वारा रेड ास के माध्यम से समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रमाण पत्र एवं स्मृति

चिह्न देकर सम्मानित किया गया यह राज्य स्तरीय सम्मान कलेक्टर/प्रेसिडेंट संजय कुमार जैन के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम हैं।

गुढ़ क्षेत्र में अवैध शराब का जाल: गांव-गांव पैकारी, आबकारी विभाग पर संरक्षण के गंभीर आरोप

गुढ़ (नि.प्र)-क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार ने विकराल रूप ले लिया है। आरोप है कि आबकारी विभाग के कथित संरक्षण में गांव-गांव और मोहल्ले-मोहल्ले शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है, जिससे शासन की मंशा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालात यह हैं कि अधिकृत दुकानों के आसपास ही अवैध अहाते और चखना दुकानों का संचालन कराया जा रहा है, जहां बैठकर शराब पीने की पूरी व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।

जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष के पहले माह अप्रैल से ही नए ठेकेदार सुप्रभ अनंत प्राइवेट लिमिटेड के कथित गुर्गों द्वारा गुढ़ की दो दुकानों सहित दुआरी, पुरवा और मनिकवार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लगभग पच्चीस गांवों में बिना नंबर वाहनों के जरिए अवैध पैकारी का जाल बिछा दिया गया है। स्थिति यह बन गई है कि अब लोगों को शराब लेने के लिए दुकान तक जाने की आवश्यकता नहीं, बल्कि उनके गांव और आसपास ही आसानी से शराब उपलब्ध कराई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस अवैध कारोबार के चलते क्षेत्र में विवाद, झगड़े और अप्रिय घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बदवार, बरसैंता, जरहा, ईटार, पड़रिया, खझवा, चौड़ियार, पड़ेरुआ, हरदी, बेला और हरदुआ सहित कई गांवों में खुलेआम अवैध शराब बिक्री होने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस पूरे नेटवर्क को आबकारी विभाग की मौन सहमति प्राप्त है और बिना संरक्षण के इतने बड़े स्तर पर अवैध पैकारी संभव नहीं है। वहीं यह भी चर्चा है कि वर्तमान ठेकेदार हाल ही में राजनीतिक संरक्षण प्राप्त करने के उद्देश्य से सत्ताधारी दल से जुड़ा है, जिससे उसके हौसले और बढ़ गए हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र में बढ़ती अवैध गतिविधियों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग इन गंभीर आरोपों पर क्या कार्रवाई करता है या फिर यूं ही अवैध कारोबार फलता-फूलता रहेगा और आम जनता इसकी कीमत चुकाती रहेगी।

जनपद पंचायत हनुमना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के संरक्षण में हो रहा पंचायतों में भारीन भ्रष्टाचार

जांच के नाम पर अधिकारी ग्राम पंचायतों से सुविधा शुल्क लेकर कलम बंद का खेल जनपद पंचायत हनुमना में किया जा रहा है।

हनुमना जिला पंचायत रीवा मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्राम पंचायत वासियों ने अपील किया है कि जब से मऊगंज जिले के हनुमना जनपद में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के संरक्षण में ग्राम पंचायत के हर निर्माण कार्यों में हो रहा भारी मात्रा में भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगाया जा रहा बल्कि ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव को संरक्षण दिया जा रहा है संवाददाता से विभिन्न ग्राम पंचायत के निवासियों ने जानकारी में बताया गया मशः ग्राम पंचायत प्रतापगंज, ... पैकान, मिसिरगवां, ढाबा गौतमान, खजुरहन, भदौहा, रमकुडवा, बधैया, गनिगवां, अटरिया, लोढी,पतुलखी छत्रपाल सिंह, रमनगरी, दूगौली, बिरहा कन्हई, आज ऐसे कई ग्राम पंचायत है जहां के सरपंच एवं सचिव द्वारा गौशाला के नाम पर सड़क निर्माण कार्य नाली निर्माण कार्य चबुतरा, तालाब, नलकूप , सोख्ता गड्ढा,में किए गए कार्य को उपयंत्री एवं अधिकारियों की साठ गांठ करके नवीन बिल पास करा कर शासकीय पैसे का बंदरबाट बहुत ही सुनियोजित रूप से किया जाता है अपने सगे संबंधियों से वेंडर बनाकर उनके खाते में पैसा ट्रांसफर करके शासकीय पैसे का बंदर बात किया जा रहा है खबर प्रकाशन होने के बाद भी जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा जांच के नाम पर ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव के द्वारा सुविधा शुल्क देकर कलम बंद कर दिया जाता है कार्य स्थल पर कभी भी न जाकर सरपंच सचिव के मन मुताबिक उपयंत्री द्वारा जांच कर दिया जाता है किसी भी पंचायत के चल रहे निर्माण कार्य में सरपंच सचिव व रोजगार सहायक भारी भ्रष्टाचार करते हैं कारण यह है कि हनुमना सी ई ओ साहब की कृपा से यह भ्रष्टाचार फल फूल रहा है अतः ग्राम वासियों ने जिला अध्यक्ष मऊगंज जिला पंचायत सीईओ रीवा से यह मांग है कि जनपद पंचायत हनुमना के विभिन्न ग्राम पंचायत में चल रहे कार्यों का आकस्मिक जांच करा कर दोषियो के प्रति दंडात्मक कार्यवाही की जाए

नगर में हो रहा नाली निर्माण कमीशन एवं भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ी

ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि के संरक्षण में गुणवत्ताविहीन निर्माण कार्य कराया जा रहा है

जिला प्रशासन की छवि को धूमिल करने में तुले ठेकेदार एवं जिम्मेदार

हनुमना एक और मध्य प्रदेश सरकार जहां भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए कई तरह से प्रयास कर रही है लेकिन भ्रष्टाचार कम होने का नाम नहीं ले रहा है मामला मऊगंज जिले के हनुमना नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 06 तहसील के पास नाली निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। नगर में हो रहा नाली निर्माण कमीशन एवं भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ाऊँ का सिलसिला बंद होने का नाम नहीं ले रहा है जिसका मूल कारण यह है कि कुछ वर्ष पहले नाली सड़क या नगर परिषद के ठेके ठेकेदार द्वारा लिए जाते थे तो उनको उच्च अधिकारियों का भय बना रहता था परंतु अब ठेकेदार ठेका नहीं लेते राजनैतिक संरक्षण प्राप्त नेता द्वारा ठेका अब चलाया जा रहा है यह नेता जिसकी सरकार उसी में सम्मिलित होकर अपना कार्य साध रहे हैं और शासन के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है जिनका समाचार के माध्यम से प्रकाशन होने के बावजूद भी नगर परिषद द्वारा जांच नहीं किया जाता

ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि के संरक्षण में गुणवत्ताविहीन निर्माण कार्य कराया जा रहा है।जिला प्रशासन की छवि को धूमिल करने में तुले ठेकेदार एवं जिम्मेदार निर्माण कार्य में उपयोग होने वाले सामग्री सीमेंट गिट्टी बालू छड एवं घटिया स्तर की पदार्थ मिलाकर बनाया जा रहा है वहीं नाली निर्माण में जहां नियम के अनुसार गड्ढे की खुदाई नहीं की गई है वहीं हल्की गिट्टी डालकर ढलाई की जा रही है।

मुद्रक ,प्रकाशक एवं प्रबंध **संपादक रश्मि तिवारी** द्वारा प्रदेश सत्ता प्रिन्टर्स, म. न 2 लाला लाजपत राय कॉलोनी रायसेन रोड जिला- भोपाल (म.प्र.) तथा 7/4 अंजली कैंपेलेक्स, टी टी नगर जिला- भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक- राकेश कुमार (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)